INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-91 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 28 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

महोली गांव में आधा घंटे तक बरसीं गोलियां

गुरुवार को गांव महोली में हुए विवाद के दौरान तमंचों से फायरिंग करते युवक।

भंडारे के विवाद में अवैध हथियारों से जमकर फायरिंग

गांव के दो पक्षों में वर्चस्व की जंग, श्रद्धालुओं में मची भगदड़

परिकमा मार्ग में हुआ बवाल, दोनों पक्षों के कई लोग घायल

एसएसपी पहुंचे मौके पर, गांव में तैनात किया पुलिस बल

अधीनस्थों से महोली में हुए विवाद की जानकारी लेते एसएसपी श्लोक कुमार।

गांव महोली में गोली लगने से घायल युवक को ले जाते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे के गांव महोली में भंडारा लगाने को लेकर गुरुवार को दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि आधा घंटे तक गोलियां चलीं। अवैध हथियारों से हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के दौरान कई लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। फायरिंग से गांव में अफरा–तफरी मच गई और परिक्रमार्थियों समेत ग्रामीणों में दहशत फैल गई। एसएसपी ने मौके पर आकर मामले की जानकारी ली, जबकि तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

नगर निगम के वार्ड 59 में शामिल गांव महोली निवासी गुड्डी प्रधान और चंद्रपाल के बीच चुनावी रंजिश चली आ रही है। करीब छह महीने पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसे ग्रामीणों ने उसी समय बीच–बचाव कर शांत करा दिया था, लेकिन यह पुरानी रंजिश खत्म नहीं हुई। बुधवार को भी दोनों पक्षों के बीच बाइक टकराने के बाद फिर कहासुनी हुई और ईंट–पत्थर चल गए। करीब आधे घंटे तक चले पथराव और झगड़े से गांव में भगदड़ जैसे हालात बन गए तो लोग जान बचाने के लिए भागते नजर आए।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार को गांव में मल मास परिक्रमा के दौरान चंद्रपाल पक्ष ने परिक्रमार्थियों के लिए प्याऊऔर सेवा शिविर लगाया था। इसी दौरान गुड्डी प्रधान पार्षद पक्ष के लोग भी केला और अन्य सामग्री वितरित करने पहुंच गए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में फिर विवाद शुरू हो गया। यह विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ओर से फायरिंग शुरू हो गई। झगड़े में चंद्रपाल पक्ष के रवि के पैर में और संजू के सीने में गोली लगी है। वहीं, गुड्डी प्रधान पक्ष के हरिओम के सिर और सावित्री के हाथ में गोली लगी है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। संजू और हरिओम की हालत गंभीर होने पर दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि चंद्रपाल पक्ष के राजू और मलखान सिंह और गुड्डी पक्ष के रिंकू और केदार का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी राजीव कुमार, सीओ अनिल कपरवान पुलिस बल के साथ पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। तनाव को देखकर गांव में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर दी है। जानकारी पर एसएसपी श्लोक कुमार भी गांव आ गए और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग हिरासत में लिए गए हैं, कुछ हथियार भी बरामद किए गए हैं। वीडियो फुटेज के अनुसार, गोली चलाने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

इंटरनेट मीडिया पर फायरिंग का वीडियो वायरल

घटना से जुड़ा वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ युवक खुलेआम हथियार लहराते और फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोसी में नमाज के बाद युवक की हत्या, तनाव

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को थाना कोसीकलां क्षेत्र के गांव नगला मेव में बच्चों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदला तो लाठी–डंडे चल गए। विवाद में गंभीर घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो जाने से गांव में तनाव फैल गया। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

नगला मेव निवासी आसू और उसके भाई नबाब के बच्चे गांव में नमाज अदा करके घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में इदरीश के बच्चों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। दोनों पक्षों के बच्चों ने घर पहुंचकर अपने परिजनों को घटनाक्रम की जानकारी दी तो दोनों पक्षों के लोग एकत्र होने लगे।

कुछ देर में करीब 10 से 15 लोग आमने–सामने आ गए। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में मामला मारपीट तक

बच्चों की लड़ाई खूनी संघर्ष में बदली

पहुंच गया। दोनों पक्षों के लोगों ने एक–दूसरे पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए झगड़े से गांव में अफरा–तफरी मच गई। मारपीट के दौरान नबाब के सिर में लाठी लग गई, जिससे वह गंभीर घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में नबाब ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस विवाद के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

महंगे पेट्रोल–डीजल से बढ़ गई यूपी सरकार की कमाई

वैट सिस्टम से जनता पर बढ़ा बोझ

यूनिक समय, लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से यूपी सरकार का खजाना भरने लगा है। पिछले 10 दिन में प्रदेश में पेट्रोल करीब 7.90 रुपए और डीजल 7.50 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो चुका है। इससे आम जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ा है, वहीं राज्य सरकार की वैट से होने वाली आय में रोजाना करोड़ों रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल पर प्रतिशत आधारित वैट लागू है। ऐसे में जैसे–जैसे तेल कंपनियां बेस प्राइस बढ़ाती हैं, वैसे–वैसे सरकार को मिलने वाला टैक्स भी स्वतः बढ़ जाता है। अनुमान के मुताबिक, प्रदेश में प्रतिदिन करीब 1.25 करोड़ लीटर पेट्रोल और लगभग 3 करोड़ लीटर डीजल की खपत होती है। वर्तमान मूल्य वृद्धि के बाद सरकार को पेट्रोल पर प्रति लीटर करीब 1.80 रुपए और डीजल पर लगभग 1.10 रुपए अतिरिक्त वैट मिलने लगा है। इस हिसाब से यूपी सरकार की वैट आय में प्रतिदिन करीब 5 करोड़ रुपए तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी मानी जा रही है।

आर्थिक जानकारों का कहना है कि तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम लोगों की जिंदगी पर पड़ता है। डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट खर्च बढ़ता है, जिसका असर फल–सब्जी, दूध, अनाज और अन्य जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर दिखाई देता है। बाजारों में मालभाड़ा बढ़ने से रोजमर्रा की वस्तुएं लगातार महंगी होती जा रही हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि पेट्रोल–डीजल पर प्रतिशत आधारित वैट की जगह फिक्स टैक्स मॉडल लागू किया जाना चाहिए। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने पर सरकार का टैक्स स्वतः नहीं बढ़ेगा और उपभोक्ताओं को राहत मिल सकेगी। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत में आम आदमी को एक लीटर पेट्रोल खरीदने के लिए अपनी रोजाना कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ता है, जबकि कई विकसित देशों में यह बोझ काफी कम है।

महंगाई से मालभाड़ा और खर्च बढ़े

वित्तीय आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में बीते एक वर्ष में पेट्रोल और डीजल की मांग में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वाहन संख्या बढ़ने और परिवहन गतिविधियां तेज होने से तेल की खपत लगातार बढ़ रही है।

युद्ध से निकली महंगाई, झुलसने लगी रसोई

दाल, आटा, मसाले और चावल के बढ़े दाम, जनता परेशान

दुकान पर बिक्री को रखे दाल-चावल।

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम एशिया में युद्ध की आग से अब रसोई झुलसने लगी है। महंगाई के कारण घर से बाजार तक गणित बिगड़ गया है। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, एलपीजी के साथ ही रसोई और घर के अन्य रोजमर्रा के सामानों पर साफ दिखाई देने लगा है। चना, चावल, मसाले ब्रेड और आटा समेत अन्य सामान महंगा हो गया है। साबुन का वजन कम करके कंपनियां महंगाई की मार को झेल रही हैं।

दो महीने से मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के चलते बढ़े तेल के दामों ने रोजमर्रा के सामान के भी दाम बढ़ा दिए हैं। दस दिन में पेट्रोल और डीजल पर

परिवहन और पॉलीथिन पर दाम बढ़ने से आया असर

चार बार में लगभग सात रुपये की वृद्धि होने से सामान की ढुलाई के साथ-साथ थोक विक्रेताओं ने भी चीजों के दाम बढ़ा दिए हैं। इसके चलते शहर के बाजार में घरेलू राशन और जरूरत के सामान में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जनरल स्टोरों पर आने वाले सामान के बढ़े दाम के कारण अब ग्राहकों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं बढ़े हुए दामों पर मिल रही हैं।

महिलाओं की बात

प्रिया शर्मा का कहना है कि अब महंगाई काफी बढ़ गई है। पहले बच्चों की पढ़ाई का असर जेब पर आया, अब रसोई पर महंगाई होने से घर का बजट खराब होना तय है।

नीरज का कहना है कि महंगाई की वजह से काफी टेंशन होने लगी है। खाने-पीने की वस्तुएं काफी महंगी हो गई हैं। घर का बजट संवारने में काफी माथा-पच्ची करनी पड़ रही है।

शहर के एक बड़े जनरल स्टोर संचालक गौरव कुमार ने बताया कि थोक में कई चीजों के दाम बढ़े हैं। कई उत्पादों के रेट तो नहीं बढ़ाए गए हैं, लेकिन उनका वजन कम कर दिया गया। 84 पीस साबुन का एक गत्ता पहले 720 रुपये का मिल रहा था जो अब बढ़कर 740 रुपये का हो गया है। एक कपड़े धोने वाले साबुन की कंपनी ने अपने 10 रुपये के साबुन का 35 से 40 ग्राम वजन कम कर दिया है।

आटा, चावल, चीनी और चने पर प्रति किलो दो से लेकर 10 रुपये तक दाम बढ़ गए हैं। आटे की कीमत 28 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 30 रुपये प्रति किलो हो गई है। चावल की अलग-अलग वैरायटी पर चार रुपये से बढ़कर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। बासमती चावल के दाम में लगभग 10 रुपये प्रति किलो का इजाफा हुआ है। चने के दाम छह रुपये बढ़कर 66 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। जबकि दुकानदारों को चीनी थोक में 2180 रुपये प्रति 50 किलो मिलती थी जो अब बढ़कर 2220 रुपये की मिल रही है।

वृंदावन में वृद्ध साध्वी मंदिर निर्माण में अड़ंगा

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन वास को आई साध्वी वृद्धा को खादर की जमीन बेच दी गई। अब जमीनों के दलाल साध्वी के मंदिर निर्माण में बाधक बने हुए हैं। वृद्धा ने आला अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है। बताया जाता है कि साध्वी भगत कैलाश पुरी ने बीते कुछ समय पहले वृन्दावन वास की इच्छा से श्यामकुटी क्षेत्र में एक मकान खरीदा था। इसकी वैधानिक रजिस्ट्री उपनिबंधक

अब दबंग दंपति मांग रहा रंगदारी

कार्यालय पर कराई गई थी। वर्तमान में साध्वी ने मंदिर निर्माण के उद्देश्य से मकान में जीर्णोद्धार कराना शुरू किया। आरोप है कि इलाके में जमीनों की दलाली के लिए कुछ लोग साध्वी को निर्माण कार्य नहीं करने दे रहे हैं। वृद्ध साध्वी के अनुसार, एक महिला और उसका पति आए दिन उससे निर्माण कार्य करवाए जाने के एवज में सुविधा शुल्क मांगते और मना करने पर पुलिस की धमकी देते हैं। गुरुवार को भी मौके पर कुछ इसी तरह का नजारा सामने आया। पीड़ित साध्वी ने अधिकारियों से जांच कराने की मांग की है।

बांकेबिहारी मंदिर आने वाले श्रद्धालु तरस रहे पानी को

यूनिक समय, वृन्दावन। अंतरराष्ट्रीय सेवायत परिषद के संस्थापक इतिहासकार आचार्य प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि पुरुषोत्तम मास में ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पीने के पानी को तरस रहे हैं, लेकिन बांकेबिहारी मंदिर की व्यवस्थाएं बनाने के लिए गठित हुई मंदिर प्रबंधन समिति, सेवायत भगवान- भक्तों की सेवार्थ आपसी सामंजस्य स्थापित करने की जगह विवादों में ही व्यस्त हैं। भक्तों को पेयजल, छाया, हवा, तप्तसड़क पर कारपेट और विश्रामस्थल जैसी अत्यंत जरूरी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। वह तो भला हो उन तमाम धार्मिक – समाजसेवी संस्थाओं का, जो अपने सीमित संसाधनों के बाबजूद अनवरत सेवार्थ जुटी हुई हैं।

बादलों ने मौसम बनाया खुशगवार, गर्मी से राहत

गुरुवार शाम को आसमान मे छाए काले बादल।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को आसमान पर छाए बादलों से मौसम खुशगवार हो गया। तापमान में कमी आने से लोगों को गर्मी से भी राहत मिली। मौसम विभाग ने एक जून तक आसमान पर बादल छाए रहने के साथ बूंदाबांदी होने और आकाशीय बिजली गरजने का पूर्वानुमान जारी किया है। वहीं, गोवर्धन और आसपास बर्षा होने से मौसम सुहावना हो गया।

सुबह से आसमान साफ होने से चमकदार धूप खिली हुई थी, जिससे लोगों को गर्मी का असर सता रहा था। दोपहर को मौसम पलटा तो आसमान पर बादल छा गए, इस दौरान चली बयार शरीर को राहत देती रही। शाम को बादल और गहराए तो धूप गायब हो गई, मध्यम गति से चली बयार ने मौसम को खुशगवार बना दिया। ऐसे मौसम से लोगों को राहत मिलती रही। ऐसे मौसम की वजह से अधिकतम तापमान बीते दिन के मुकाबले दो डिग्री सेल्सियस कम होकर 42 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जबकि न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस कम होकर 25 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। वहीं, मौसम विभाग की ओर से जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान

एक जून तक बदला रहेगा मौसम

इस दौरान हो सकती हैं बूंदाबांदी

छाए काले बादल, बिजली ने डराया

गुरुवार देर शाम को मौसम बदल गया। तेज बयार के साथ आसमान में काले बादल छा गए। आकाशीय गर्जना के साथ चमकती बिजली लोगों को डराती रही। प्रशासन ने भी ऐसे मौसम को लेकर अलर्ट जारी किया।

जारी किया है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, एक जून तक आसमान में बादल छाए रह सकते हैं, इस अवधि के दौरान बूंदाबांदी या आकाशीय गर्जना के साथ बर्षा हो सकती है। वहीं, शाम पांच बजे बाद अचानक मोबाइलों पर मौसम का अलर्ट आते ही लोग चौंक गए। अलर्ट मे कहा गया कि आपके जिले में अगले तीन घंटे के दौरान मौसम बदलेगा, तेज बयार चलेगी और बर्षा हो सकती है।

तापमान / मौसम

42 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

25 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,58,440

22 कैरेट 1,45,250

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,90,000 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अधिक मास में जाम से कराह उठा मथुरा और वृंदावन

जाम से बढ़ा पेट्रोल खर्चा

गुरुवार को नया बस अड्डा पर लगे जाम में फंसे वाहन।

श्रद्धालुओं की भीड़ से सड़कें फुल

रेंगते वाहनों से लोगों की बढ़ी परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी मथुरा–वृंदावन इन दिनों अधिक मास में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ से पूरी तरह जाम के शिकंजे में है। सुबह होते ही शहर की सड़कें वाहनों से भर जाती हैं और देर रात तक लोगों को राहत नहीं मिल पाती है। हालात ऐसे हैं कि कई जगह वाहन रेंग–रेंग कर चल रहे हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की खपत लगातार बढ़ रही है।

एक ओर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने लोगों से बेवजह पेट्रोल खर्च न करने और छोटी दूरी तक पैदल चलने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शहर की सड़कों पर लग रहा जाम लोगों की जेब पर भारी पड़ रहा है। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों पर असर पड़ा है। पिछले एक सप्ताह में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम करीब चार बार बढ़ चुके हैं।

ऐसे समय में शहर का ट्रैफिक लोगों की चिंता और बढ़ा रहा है। मथुरा और वृंदावन के प्रमुख चौराहों पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। गोवर्धन चौराहा, नया बस अड्डा, होली गेट, स्टेट बैंक चौराहा, नेशनल हाईवे और वृंदावन के कई मार्गों पर वाहनों की लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं। कई देर तक लोग जाम में फंसकर परेशान हो रहे हैं।

जाम में फंसे वाहन चालकों का कहना है कि पहले जहां कुछ मिनटों में रास्ता तय हो जाता था, अब वही दूरी तय करने में काफी देर लग रही हैं। बाइक सवार गलियों के रास्ते निकलने की कोशिश करते हैं, जबकि कार और बड़े वाहन लंबे समय तक फंसे रहते हैं। भक्ति और आस्था के इस माहौल में जहां श्रद्धालु भगवान की भक्ति में लीन हैं, वहीं शहरवासी रोजाना जाम और बढ़ते पेट्रोल खर्च की मार झेल रहे हैं।

अधिक मास और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के कारण देशभर से श्रद्धालु मथुरा–वृंदावन पहुंच रहे हैं। मंदिरों और परिक्रमा मार्गों पर भीड़ बढ़ने से ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह दबाव में है। सड़क किनारे अवैध पार्किंग और अतिक्रमण भी जाम की बड़ी वजह बन रहे हैं।

एसपी ट्रैफिक ने बताया कि अधिक मास में श्रद्धालुओं की संख्या बहुत बढ़ जाती है दो–तीन दिन पहले जाम की स्थिति ज्यादा खराब थी, लेकिन अब कुछ हद तक सुधार हुआ है। कई बार श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकालने के लिए कुछ देर वाहनों को रोकना पड़ता है।

कुछ वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाने की कोशिश करते हैं, जिससे अव्यवस्था बढ़ जाती है।

यमुना एक्सप्रेस–वे पर चलती बाइक से गिरी महिला, मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना नौहझील क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस–वे पर बुधवार शाम सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। बताते हैं कि महिला चक्कर आने की वजह से बाइक से गिर गई थी।

हादसा यमुना एक्सप्रेस–वे के माइलस्टोन–74 पर गांव हसनपुर के पास हुआ। गौतमबुद्धनगर जिले के थाना जारचा क्षेत्र स्थित गांव बिसारा निवासी 46 साल की शशि देवी अपने बेटे अजय के साथ बाइक से नोएडा से वृंदावन जा रही थीं। रास्ते में अचानक तबीयत बिगड़ने पर वह चलती बाइक से नीचे गिर पड़ीं। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और रिश्तेदार अस्पताल पहुंच गए। थाना प्रभारी जगदंबा सिंह ने बताया कि परिजन किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते थे। जरुरी औपचारिकता के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

बिजली का तार लगाने पर दो पक्षों में संघर्ष

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को कोसीकला थाना क्षेत्र के गांव महरौली में बिजली को तार लगाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। विवाद के दौरान दोनों पक्षों में पत्थरबाजी और जमकर लाठी–डंडों चले। घटना में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए।

गांव महरौली में बिजली लाइन डालने को लेकर अल्पसंख्यक समुदाय और बघेल समाज के लोगों के बीच कहासुनी हुई थी। कहासुनी के दौरान दोनों पक्ष आमने– सामने आ गए। इसके बाद दोनों ओर से पत्थर चले और लाठी– डंडे निकल आए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद कोसीकला से थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण लिया। घटना को देखते हुए गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। घायलों को कोसीकलां के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है, फिलहाल गांव में शांति बनी हुई है।

थाना प्रभारी कमलेश कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। इसके बाद दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पत्थरबाजी और लाठी–डंडों से आधा दर्जन लोग घायल

महिला से मारपीट के वायरल वीडियो के बाद जांच तेज

यूनिक समय, मथुरा। इंटरनेट मीडिया पर एक महिला का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया गया है। मामले में पुलिस प्रशासन ने अपना पक्ष रखते हुए आरोपों को निराधार बताया है।

शेरगढ़ थाना क्षेत्र के राल निवासी कैलाश के खिलाफ स्थानीय थाने में दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज है, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि मुकदमे की पैरवी न करने के लिए कैलाश द्वारा वादी पक्ष को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस संबंध में थाना शेरगढ़ में एक अन्य मुकदमा भी दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 27–28 मई की रात थाना शेरगढ़ पुलिस आरोपी कैलाश की गिरफ्तारी के लिए दबिश देने गई थी, लेकिन परिजनों ने पहले ही उसे वहां से भगा दिया। वायरल वीडियो में पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाने वाली महिला आरोपी कैलाश की पत्नी बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि महिला गिर गई थी, जिससे उसे चोट आई। हालांकि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

वृंदावन पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, छह महिलाएं गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए छह महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने महिलाओं के पास से चोरी का मंगलसूत्र भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 30 मार्च को एक महिला ने थाना में शिकायत दी थी कि वह केसीघाट पर परिक्रमा कर रही थी। इसी दौरान किसी अज्ञात महिला ने उसके गले से मंगलसूत्र चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। बुधवार देर रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रंगजी चौकी क्षेत्र में नव निर्मित मकान के पास खाली जगह से छह महिलाओं को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी किया गया पीली धातु का मंगलसूत्र और 1400 रुपये बरामद किए है। पुलिस ने सभी महिलाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। महिलाओं को पकड़ने में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडेय,चौकी प्रभारी रंगजी उपनिरीक्षक देवेन्द्र सिंह शामिल रहे।

डकैती में वांछित आरोपित गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में वांछित आरोपी।

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता पुलिस ने डकैती के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक रिवाल्वर और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 28 मई की रात एक सूचना पर थाना छाता पुलिस ने ग्राम चंदौरी जाने वाले रास्ते पर लाल गेट से निरंजन उर्फ निरजो निवासी चंदौरी थाना छाता को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक रिवाल्वर 32 बोर और दो जिंदा कारतूस 32 बोर बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, वादी की तहरीर पर 15 मई को थाना छाता में मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि निरंजन उर्फ निरजो, भोजराज,लोकेश,रामगोपाल निवासीगण चंदौरी थाना छाता और 20–25 अज्ञात लोगों ने एक राय होकर लाठी–डंडों, धारदार हथियारों और तमंचों से लैस होकर वादी के पुत्र पर जानलेवा हमला किया था। हमले में उसे गंभीर चोटें आई थीं। लाइसेंसी रिवाल्वर, जेब में रखे 30 से 40 हजार रुपये तथा करीब दो तोले की सोने की चेन लूटने का भी आरोप लगाया था। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक उमेश चंद त्रिपाठी, उपनिरीक्षक कपिल नागर सहित पुलिस टीम शामिल रही।

चोरी की रिवाल्वर और कारतूस बरामद

कड़ी सुरक्षा के साथ जिले में मनी बकरा ईद

शाही ईदगाह में गूंजी अमन और खुशहाली की दुआ

नमाज अदा करने के बाद डीग गेट की ओर आते नमाजी।

सुरीर में गले मिलकर भाई चारे का संदेश देते हिंदू- मुस्लिम बच्चे।

सीसी कैमरे ने रखी निगरानी, डीएम- एसएपी ने लिया जायजा

गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर ईदगाह, मस्जिदों में नमाज अदा हुई। मुस्लिम समाज ने खुदा की इबादत में सिर झुकाया। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। नमाज के दौरान प्रशासन और पुलिस विभाग अलर्ट दिखाई दिया। संवेदनशील इलाकों समेत प्रमुख मस्जिदों के आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहा।

शाही ईदगाह में नमाज अदा करने आए लोगों के पहचान पत्र देखते पुलिसकर्मी।

जिले में ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर शहर की शाही ईदगाह और अन्य मस्जिदों में नमाज हुई। शाही ईदगाह में शहर मुफ्ती मोहम्मद आसिफ रजा ने नमाज अदा कराई, जबकि कुतबा हाफिज अब्दुल कादिर ने पढ़ा। इससे पहले पहचान पत्र देखकर लोगों को शाही ईदगाह में प्रवेश दिया गया। एसपी सिटी राजीव कुमार पुलिस बल के साथ क्रियाशील रहे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी।

नमाज के लिए जनपद को पहले से ही सुपर जोन, जोन और सेक्टरों में विभाजित कर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से भी निगरानी रखी गई। पुलिस की मुस्तैदी के चलते पूरे जिले में कहीं कोई अप्रिय घटना नहीं हो सकी। वहीं, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार ने शाही ईदगाह मस्जिद और आस-पास के क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया ।

वहीं, कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों में भी तक ईद-उल-अजहा की धूम रही। वृंदावन, कोसीकलां, छाता, फरह, सुरीर, औरंगाबाद, राया, शेरगढ़ के अलावा अन्य कस्बों और कई गांवों में भी खुशनुमा माहौल में ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया गया है। यहां भी ईदगाहों समेत तमाम छोटी-बड़ी मस्जिदों में नमाज अदा कराई गई।

नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार।

छाता स्थित ईदगाह में नमाज अदा करते मुस्लिम लोग।

डीग गेट पर मौजूद मथुरा-वृंदावन विधानसभा के प्रत्याशी अनिल अग्रवाल, सचिव जागेश्वर यादव, समाजवादी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी, उपाध्यक्ष ऋषि अग्निहोत्री और हर्ष चौधरी आदि।

फरह स्थित ईदगाह में नमाज अदा करते मुस्लिम समाज के लोग।

फरह स्थित ईदगाह में नमाज अदा करते मुस्लिम समाज के लोग।

ईद की नमाज के दौरान व्यवस्था में मौजूद सीओ सिटी आशना चौधरी और नागरिक सुरक्षा कार्यकर्ता।

भाजपा का 12 साल विश्वास अभियान पांच से

केंद्र सरकार के 12 साल होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते एमएलसी- जिला प्रभारी पूर्व मंत्री अशोक कटारिया, साथ हैं जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे और अन्य पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा की ओर से पांच से 21 जून तक 12 साल विश्वास के विकास के जनकल्याण के अभियान चलाया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर जिला कार्यालय पर जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों की कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए एमएलसी- जिला प्रभारी पूर्व मंत्री अशोक कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सुशासन, पारदर्शिता और गरीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

अभियान के तहत पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पौधारोपण किया जाएगा। 8 से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क अभियान चलाकर प्रबुद्धजनों से संपर्क किया जाएगा। 13 व 14 जून को जिला स्तरीय मीडिया संवाद, 14 से 16 जून तक जनकल्याण शिविर, 16 व 17 जून को विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, 17 से 20 जून तक सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। 18 व 19 जून को प्राकृतिक खेती कार्यशाला और 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम मंडल स्तर पर आयोजित होंगे। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने कहा कि 12 साल बेमिसाल अभियान के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यशाला में विधायक पूरन प्रकाश, मुकेश वार्ष्णेय, कमल किशोर, भानु प्रताप सिंह, अजय परखम, अमन ठाकुर, अभियान संयोजक अनिल चौधरी, सह संयोजक सुरेश तरकर, रणवीर चौधरी, ओम प्रकाश सैनी, ज्ञानेंद्र सिंह, मनीषा उपाध्याय और मुदिता गोस्वामी उपस्थित रहे। संचालन सत्यपाल चौधरी ने किया।

आईआईटी रोपड़ में इंटर्नशिप करेंगे जीएलए कृषि संकाय के आठ छात्र

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के कृषि विज्ञान संकाय ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध आधारित शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। संकाय के आठ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित अन्नम डॉट एआई कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़, पंजाब में आयोजित इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा और मेहनत को दर्शाती है, बल्कि जीएलए विश्वविद्यालय में दी जा रही आधुनिक कृषि शिक्षा, प्रायोगिक प्रशिक्षण और शोध आधारित अधिगम की गुणवत्ता का भी प्रमाण है।

चयनित विद्यार्थियों में आयुष शंकर, दिया दीक्षित, दिया सैनी, सुदीक्षा श्रीवास्तव, निहारिका यादव, खुशी मल्होत्रा, अंजुम आरा खातून और प्रियंका कुमारी शामिल हैं। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम 25 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा, जिसे विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इंटर्नशिप के दौरान विद्यार्थियों को स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा। इस इंटर्नशिप के माध्यम से विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृषि तकनीकों, स्मार्ट फार्मिंग, डेटा आधारित कृषि अनुसंधान, डिजिटल एग्रीकल्चर और आधुनिक कृषि नवाचारों पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। साथ ही वे देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के साथ कार्य कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे, जिससे उनके तकनीकी ज्ञान और शोध क्षमता में वृद्धि होगी।

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के कृषि संकाय के विद्यार्थी आइआइटी में इंटर्नशिप के दौरान।

आधुनिक कृषि शिक्षा और शोध में जीएलए के विद्यार्थियों ने बढ़ाया विश्वविद्यालय का मान

जीएलए विश्वविद्यालय का कृषि विज्ञान संकाय वर्तमान समय की आधुनिक कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। संकाय में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लासरूम, कृषि अनुसंधान सुविधाएं, प्रायोगिक प्रशिक्षण, फील्ड विजिट्स और इंडस्ट्री आधारित शिक्षण व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। विद्यार्थियों को केवल पारंपरिक कृषि तक सीमित नहीं रखा जाता, बल्कि उन्हें आधुनिक तकनीकों, जैविक खेती, प्रिसिजन फार्मिंग, ड्रोन तकनीक, कृषि उद्यमिता और एग्री–बिजनेस जैसे क्षेत्रों से भी जोड़ा जाता है।

विश्वविद्यालय में समय–समय पर कृषि विशेषज्ञों के व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, लाइव डेमो और शोध गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीनतम परिवर्तनों और तकनीकी प्रगति की जानकारी मिलती रहे। यही कारण है कि जीएलए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों और शोध कार्यक्रमों में लगातार चयनित हो रहे हैं।

कृषि विज्ञान संकाय के डीन डॉ. शैलेश कुमार सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह चयन विद्यार्थियों की मेहनत, संकाय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध उन्मुख वातावरण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज कृषि क्षेत्र तेजी से तकनीकी बदलावों की ओर बढ़ रहा है और ऐसे समय में विद्यार्थियों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना बेहद आवश्यक है। जीएलए विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को भविष्य उन्मुख कृषि शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इंटर्नशिप समन्वयक डॉ. कौशिक आट्टा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के अवसर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में सीखने, शोध करने और उद्योग आधारित अनुभव प्राप्त करने का मंच प्रदान करते हैं। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनके करियर को नई दिशा मिलती है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में कृषि अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर विश्वविद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे।

वृंदावन के चार मंजिला पोशाक के गोदाम में लगी भीषण आग

प्रताप बाजार स्थित छीपी गली में पोशाक के गोदाम में लगी आग की दिखाई देतीं लपटों के बीच धुआं का गुबार।

प्रमुख संवाददाता

लाखों का नुकसान आसपास मची अफरा तफरी

चौथी मंजिल पर बना था पोशाक का गोदाम

यूनिक समय, वृंदावन। प्रताप बाजार स्थित पुरानी स्टेट बैंक की शाखा के समीप से जा रही गली स्थित एक पोशाक के गोदाम में आग लगने से हड़कंप मच गया। आसपास स्थित मकानों में रहने वाले चिंतित हो उठे। प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह एसी का ब्लास्ट होना बताया जा रहा है।

छीपी गली में पार्थ बंसल और अमित बंसल का मकान है । इसके निचले हिस्से में परिवार रहता है। तीसरी और चौथी मंजिल पर राधा कृष्ण पोशाक भंडार का गोदाम और पैकिंग का कार्य होता है। चौथी मंजिल पर एसी ब्लास्ट होने से हुए धमाके की चिंगारी ने वहां रखे कपड़ों को तुरंत पकड़ लिया, जो तेजी से तीसरी मंजिल तक फैल गई। हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां और पानी का टैंकर मौके पर पहुंचा। राहत की बात यह रही कि समय रहते रिहायशी मंजिलों से लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। इस अग्निकांड में ठाकुर जी की तैयार पोशाकें और भारी मात्रा में कच्चा माल जलकर राख हो गया, जिससे व्यापारी को करीब 20 से 25 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे थे।

प्रमोद कसेरे ने भिजवाए पानी के टैंकर

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के प्रताप बाजार स्थित स्टेट बैंक के पीछे छिपी गली में राधा–कृष्ण पोशाक की दुकान एवं गोदाम में अचानक आग लग गई। आग लगने से क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की गाड़ियां पहुंच गई। इस दौरान जल पुरुष एवं उद्योगपति प्रमोद गर्ग कसेरे ने मानवीय पहल करते हुए अपने पानी के टैंकर तत्काल वृंदावन भेजे, जिससे आग बुझाने में काफी सहायता मिली।

द्वारकाधीश की बारात में झलका वैभव

अप्सरा पैलेस से निकली भगवान द्वारिकाधीश की बरात में शामिल श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को श्री काली मां मित्र मंडल ने राजाधिराज द्वारकानाथ द्वारकाधीश की भव्य शोभायात्रा निकाली। अप्सरा पैलेस से शुभारंभ के बाद बारात द्वारिकाधीश मंदिर पहुंची। काफी स्थानों पर भक्तों ने शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। भीड़ के कारण होली गेट के अंदर का जाम लगता रहा।

शोभायात्रा में भगवान गणेश, शंकर, राजाधिराज द्वारकानाथ और काली मैया कैंट की झांकियां और बैंड- शहनाई शोभा बढ़ा रही थी। बारात में संस्थापक प्रवीण गोयल, कार्यक्रम के मुख्य संयोजक गोवर्धन दास, स्वागत अध्यक्ष जगदीश सोनी , मुख्य अतिथि अनिल अग्रवाल नौहझील वाले, शोभायात्रा संयोजक योगेश गोयल , वर पक्ष मुख्य यजमान राकेश गर्ग, वधू पक्ष यजमान अंकुर अग्रवाल, संरक्षक गोपाल सोनी, अभिषेक अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, अमित अग्रवाल, अध्यक्ष योगेंद्र अग्रवाल ,महामंत्री अजय सैनी ,कोषाध्यक्ष सौरभ वार्ष्णेय , कार्यक्रम संयोजिका प्रीति वार्ष्णेय, अनीता अग्रवाल, नेहा सोनी, तनुजा अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, गीता गोयल, सपना अग्रवाल, गुंजन अग्रवाल आदि शामिल रहे।

शोभायात्रा का जोरदार स्वागत, झांकी और बैंड ने लुभाया

महिलाओं ने रचाई मेंहदी, मंगल गायन पर झूमे श्रद्धालु

यूनिक समय, मथुरा। बृजवासी सेवा समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय तुलसी–शालिग्राम विवाह महोत्सव में भक्ति, उल्लास और भावुकता का संगम देखने को मिला। मंगल गायन, हल्दी, मेंहदी, लगुन, शादी की रस्में और बेटी की विदाई के भावुक क्षणों ने श्रद्धालुओं को भाव–विभोर कर दिया। महोत्सव के प्रथम दिन तुलसी के वधू पक्ष की ओर से समिति के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण गोपाल अग्रवाल, बबीता अग्रवाल अपने परिजनों के साथ लग्न पत्रिका लेकर पहुंचे। वहीं वर पक्ष की ओर से शालिग्राम के माता–पिता के रूप में समिति के कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल और पारुल अग्रवाल ने अगवानी की। ठाकुर शालिग्राम की बारात निकाली गई। मुंबई से आए बैंड के कलाकारों ने वाद्य यंत्रों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। फूलों की पालकी में हीरे, मोती, शंख और पुखराज के आभूषणों से सुसज्जित ठाकुर जी विराजमान थे। पुष्पहारों से ठाकुर जी की जयमाला और खेत की रस्म संपन्न कराई गई। शशांक पाठक और उनकी टीम ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन और फेरे कराए। महिला सदस्यों ने धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कन्यादान में सोने–चांदी के आभूषण, वस्त्र और विभिन्न उपहार अर्पित किए। संस्थापक शशिभानु गर्ग,अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल और मंत्री अनूप अग्रवाल ने बताया कि एक सप्ताह से कर्नाटक शैली में विशेष सजावट की तैयारियां चल रही थीं। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक दीपक सुतिया, संदीप वर्मा, एमएलसी ठाकुर ओम प्रकाश सिंह, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भवन भूषण कमल, सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तुलसी–शालिग्राम विवाह महोत्सव में मेंहदी दिखातीं समिति की महिला पदाधिकारी।

तुलसी–शालिग्राम विवाह में बना भक्ति और उल्लास का संगम

जलसेवा को 11 टंकियां लगवाएगा भारत विकास परिषद

शीतल प्याऊ के पास भारत विकास परिषद के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा । गर्मी के प्रकोप को देखते हुए भारत विकास परिषद मुख्य शाखा ने ठंडे जल की सेवा के लिए शहर में अलग–अलग स्थान चिन्हित कर 11 टंकियां लगाने का संकल्प लिया है। संस्थापक सचिन अग्रवाल घी वाले ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था सचिव आलोक जैन ने एक टंकी टाउनशिप स्थित सोमनाथ मैरिज होम के पास लगाई है, जिसके लिए जल– बर्फ की प्रतिदिन व्यवस्था का संकल्प आलोक जैन ने लिया है। सेवा प्रमुख सुनीत गुप्ता और मृदुल कृष्ण अग्रवाल ने लोगों से अपील की कि अगर किसी भी मोहल्ले या बाजार में ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं है, वह हमसे संपर्क करें, उनका यथासंभव सहयोग किया जाएगा। अध्यक्ष डॉ सुधीर गर्ग, राजेश अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश अग्रवाल,श्रीकांत अग्रवाल, जीतू गर्ग, मनोज अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, चिराग अग्रवाल, पीयूष खंडेलवाल , प्रकाश अग्रवाल आदि ने आलोक जैन का आभार जताया है।

मोबाइल–लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल बढ़ा रहा हाई बीपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्टडी में दावा, 6 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम दिल और सेहत दोनों पर डाल सकता है बुरा असर आज के दौर में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। काम, पढ़ाई, मनोरंजन और सोशल मीडिया के कारण ज्यादातर लोग दिन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन के सामने बिताते हैं। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक मोबाइल और लैपटॉप का इस्तेमाल लगातार बढ़ता जा रहा है। हालांकि, विशेषज्ञ अब इसे सेहत के लिए गंभीर खतरा मानने लगे हैं। हाल ही में प्रकाशित एक स्टडी में दावा किया गया है कि लंबे समय तक स्क्रीन देखने की आदत हाई ब्लड प्रेशर यानी हाई बीपी के खतरे को बढ़ा सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित इस रिसर्च में स्क्रीन टाइम और हाई बीपी के बीच संबंध को समझने की कोशिश की गई। स्टडी के अनुसार, जो लोग रोजाना 6 घंटे या उससे ज्यादा समय मोबाइल, टीवी या लैपटॉप स्क्रीन के सामने बिताते हैं, उनमें हाई ब्लड प्रेशर का खतरा अधिक देखा गया। रिसर्चर्स का मानना है कि लंबे समय तक लगातार बैठे रहने और शारीरिक गतिविधियां कम होने से शरीर के मेटाबॉलिज्म पर नकारात्मक असर पड़ता है, जिससे दिल की सेहत भी प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ज्यादा स्क्रीन टाइम केवल हाई बीपी ही नहीं, बल्कि कई दूसरी समस्याओं को भी बढ़ावा दे सकता है। लगातार स्क्रीन देखने से आंखों में जलन, सूखापन, सिरदर्द और थकान जैसी परेशानियां हो सकती हैं। वहीं देर रात तक मोबाइल और लैपटॉप इस्तेमाल करने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। पर्याप्त नींद न मिलने पर तनाव और मानसिक थकान बढ़ सकती है, जिसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। रिसर्च में यह भी सामने आया कि टीवी देखने का समय हाई बीपी से ज्यादा जुड़ा पाया गया। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी साफ किया कि यह एक ऑब्जर्वेशनल स्टडी है, इसलिए यह पूरी तरह साबित नहीं करती कि स्क्रीन टाइम सीधे हाई बीपी की वजह बनता है। बावजूद इसके, डॉक्टर स्क्रीन टाइम कम रखने और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाने की सलाह देते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, हर 30 से 40 मिनट के बाद स्क्रीन से ब्रेक लेना फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा नियमित व्यायाम, रोजाना वॉक, संतुलित आहार और पर्याप्त नींद को दिनचर्या में शामिल करना जरूरी माना जाता है। समय–समय पर ब्लड प्रेशर की जांच कराते रहना भी बेहतर स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

एक फैसले ने बचाए लाखों रुपये और बढ़ाई मानसिक शांति

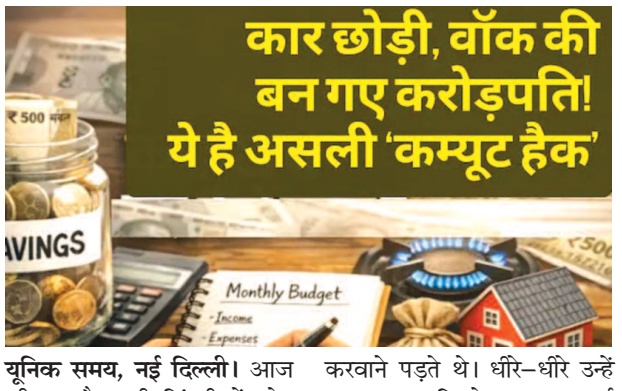

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अच्छी कमाई तो कर लेते हैं, लेकिन बढ़ते खर्चों की वजह से बचत करना आसान नहीं होता। खासकर बड़े शहरों में ऑफिस आने–जाने का खर्च और समय दोनों लोगों की जेब और सेहत पर भारी पड़ते हैं। ऐसी ही कहानी है राकेश कुमार की, जिन्होंने अपनी लाइफस्टाइल में एक बड़ा बदलाव करके आने वाले 10 सालों में करीब 1 करोड़ रुपये जोड़ लिए। राकेश नोएडा की एक बड़ी कंपनी में काम करते हैं। उनकी सैलरी अच्छी थी, लेकिन दिल्ली से नोएडा रोज आने–जाने में हर महीने करीब 20 हजार रुपये खर्च हो जाते थे। पेट्रोल, कार मेंटेनेंस, टोल टैक्स और ट्रैफिक में बर्बा होने वाला समय उनकी जिंदगी को मुश्किल बना रहा था। लंबे सफर की वजह से वे अक्सर थके और तनाव में रहते थे। राकेश बताते हैं कि ऑफिस दूर होने के कारण कई छोटे–छोटे काम भी उन्हें पैसे देकर करवाने पड़ते थे। धीरे–धीरे उन्हें महसूस हुआ कि रोज का यह खर्च और समय उनकी बचत पर बड़ा असर डाल रहा है। इसके बाद उन्होंने साल 2016 में बड़ा फैसला लिया और ऑफिस के पास ही घर किराए पर ले लिया। नोएडा शिफ्ट होने के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। ऑफिस पास होने से कार का इस्तेमाल कम हो गया और सफर में लगने वाला समय भी बचने लगा। इससे न सिर्फ खर्च कम हुए, बल्कि मानसिक तनाव भी काफी घट गया। बचाए गए पैसों को उन्होंने निवेश करना शुरू किया, जिसका फायदा उन्हें लंबे समय में मिला। राकेश की कहानी यह दिखाती है कि सिर्फ सैलरी बढ़ाना ही जरूरी नहीं होता, बल्कि सही वित्तीय फैसले और लाइफस्टाइल में बदलाव भी भविष्य को मजबूत बना सकते हैं। छोटे–छोटे खर्चों पर नियंत्रण और समझदारी से लिया गया फैसला लंबे समय में बड़ी बचत का कारण बन सकता है।

अब काजू से जमाएं स्वादिष्ट दही

दूध से एलर्जी वालों के लिए खास

यूनिक समय, नई दिल्ली। दही को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह पाचन को बेहतर रखने के साथ शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व भी देता है। आमतौर पर दही गाय या भैंस के दूध से बनाया जाता है, लेकिन अब वीगन डाइट अपनाने वाले लोग और डेयरी प्रोडक्ट्स से एलर्जी रखने वाले लोग काजू से बना दही भी पसंद करने लगे हैं। काजू से तैयार होने वाला यह प्लांट बेस्ड दही स्वादिष्ट होने के साथ पोषण से भी भरपूर माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक काजू में प्रोटीन, हेल्दी फैट और कई जरूरी मिनरल पाए जाते हैं। वहीं इसमें तैयार होने वाला दही प्रोबायोटिक गुणों से भरपूर हो सकता है, जो आंतों को स्वस्थ रखने और पाचन बेहतर बनाने में मदद करता है। खास बात यह है कि इसे घर पर बेहद आसानी से तैयार किया जा सकता है। काजू का दही बनाने के लिए सबसे पहले काजू को अच्छी तरह धोकर कुछ घंटों या पूरी रात पानी में भिगोकर रखना होता है। इसके बाद भीगे हुए काजू को मिक्सर में डालकर स्मूद पेस्ट तैयार किया जाता है। इसमें नींबू का रस, थोड़ा नमक और मेपल सिरप या शहद मिलाकर दोबारा ब्लेंड किया जाता है। जरूरत पड़ने पर थोड़ा पानी मिलाकर इसकी कंसिस्टेंसी सही की जा सकती है। इसके बाद इसमें प्रोबायोटिक कैप्सूल या योगर्ट स्टार्टर कल्चर मिलाया जाता है, जिससे दही अच्छी तरह जम सके। तैयार मिश्रण को साफ जार में डालकर कपड़े या पेपर टॉवल से ढक दिया जाता है। फिर इसे करीब आठ से दस घंटे तक किसी गर्म जगह पर रखा जाता है। जितनी ज्यादा देर यह फर्मेंट होगा, दही उतना ज्यादा खट्टा बन सकता है। दही जमने के बाद इसे फ्रिज में रख दिया जाता है। तैयार काजू दही को सीधे खाया जा सकता है या फिर इसमें फल, ड्राई फ्रूट्स और शहद मिलाकर भी परोसा जा सकता है।

कहीं आपकी लीची में भी तो नहीं छिपा कीड़ा?

खाने से पहले ऐसे करें पहचान

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में लीची सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले फलों में शामिल होती है। मीठी और रसीली लीची का स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को खूब पसंद आता है। बाजार में इन दिनों ताजा लीची की भरमार देखने को मिल रही है। हालांकि, स्वाद से भरपूर यह फल कई बार सेहत के लिए परेशानी भी बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार कई लीचियों के अंदर कीड़े पाए जाते हैं, जो आसानी से नजर नहीं आते। ऐसे में लीची खाने से पहले उसकी सही तरीके से जांच करना बेहद जरूरी माना जाता है। जानकारी के मुताबिक लीची में कीड़ा ज्यादातर डंठल वाले हिस्से या फिर गूदे और गुठली के बीच छिपा होता है। कई बार कीड़ा लीची के रंग जैसा ही दिखाई देता है, जिसकी वजह से लोग उसे आसानी से पहचान नहीं पाते। माना जाता है कि मादा कीड़ा डंठल के पास अंडे देती है और बाद में इल्ली फल के अंदर पहुंचकर गूदे को नुकसान पहुंचाने लगती है। अगर लीची के डंठल के आसपास बुरादे जैसा पदार्थ या छोटा छेद दिखाई दे, तो यह कीड़े होने का संकेत हो सकता है। कई बार फल के ऊपर भूरे रंग की दानेदार गंदगी भी नजर आती है। इसके अलावा यदि लीची में छोटे छेद से झाग या दूध जैसा पदार्थ निकलता दिखाई दे, तो ऐसी लीची खाने से बचना चाहिए। माना जाता है कि इस तरह के फलों में बैक्टीरिया पनप सकते हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि लीची खाने से पहले उसे अच्छी तरह पानी से धोना चाहिए। इसके बाद छिलका हटाकर गूदे और गुठली के आसपास ध्यान से जांच करनी चाहिए। लीची को काटकर देखने से अंदर छिपे कीड़े या खराब हिस्से की पहचान आसानी से की जा सकती है। थोड़ी सी सावधानी आपको खराब और संक्रमित फल खाने से बचा सकती है।

गर्मियों में सही कपड़े चुनना क्यों है जरूरी

फैशन के साथ आराम भी दे रहे हैं हल्के फैब्रिक

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम आते ही लोग अपने खानपान के साथ कपड़ों पर भी खास ध्यान देने लगते हैं। तेज धूप, उमस और पसीने से राहत पाने के लिए हल्के और आरामदायक कपड़े पहनना बेहद जरूरी माना जाता है। यही वजह है कि इस मौसम में ज्यादातर लोग कॉटन और लिनन फैब्रिक के कपड़े चुनते हैं। दोनों ही कपड़े गर्मी में आराम देने के लिए मशहूर हैं, लेकिन अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है कि आखिर दोनों में बेहतर कौन है। कॉटन फैब्रिक को लंबे समय से गर्मियों के लिए सबसे आरामदायक माना जाता है। यह कपास के रेशों से तैयार किया जाता है और अपनी मुलायम बनावट के कारण त्वचा पर काफी हल्का महसूस होता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पसीने को आसानी से सोख लेता है, जिससे शरीर लंबे समय तक ठंडा और आरामदायक महसूस करता है। कॉटन के कपड़े रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए काफी पसंद किए जाते हैं, क्योंकि इन्हें लंबे समय तक पहनने पर भी ज्यादा परेशानी महसूस नहीं होती। वहीं लिनन फैब्रिक भी गर्मियों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसे अलसी के पौधे के रेशों से तैयार किया जाता है। लिनन हल्का और हवा पार होने वाला कपड़ा माना जाता है, जिसकी वजह से शरीर को ठंडक महसूस होती है। इसकी खास बात यह है कि यह जल्दी सूख जाता है और पसीने के बावजूद फ्रेश महसूस कराता है। हालांकि इसका टेक्सचर थोड़ा रफ हो सकता है, लेकिन यह स्टाइलिश और प्रीमियम लुक देने के लिए काफी पसंद किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर आप रोजाना पहनने के लिए मुलायम और ज्यादा आरामदायक कपड़े चाहते हैं, तो कॉटन बेहतर विकल्प हो सकता है। वहीं अगर ज्यादा उमस और गर्मी वाले मौसम में ठंडक और बेहतर एयरफ्लो चाहिए, तो लिनन अच्छा चुनाव माना जाता है। फैशन जानकारों का कहना है कि गर्मियों में कपड़ों का चुनाव सिर्फ स्टाइल नहीं बल्कि सेहत और आराम को ध्यान में रखकर करना चाहिए। सही फैब्रिक शरीर को ठंडा रखने के साथ पसीने और घबराहट की समस्या को भी काफी हद तक कम कर सकता है।

फ्रिज में मैट्स बिछाना पड़ सकता है भारी

घट सकती है कूलिंग और बढ़ सकता है खराबी का खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में फ्रिज हर घर की जरूरी जरूरत बन जाता है। पानी ठंडा रखने और खाने–पीने का सामान सुरक्षित रखने के लिए इसका इस्तेमाल लगातार बढ़ जाता है। हालांकि कई बार लोग शिकायत करते हैं कि फ्रिज सही तरीके से कूलिंग नहीं कर रहा। ऐसे में लोग अक्सर गैस या कंप्रेसर को जिम्मेदार मानते हैं, लेकिन कई बार इसकी वजह हमारी छोटी सी गलती भी हो सकती है। दरअसल, फ्रिज को साफ रखने के लिए कई लोग उसके अंदर प्लास्टिक या कपड़े के मैट्स बिछा देते हैं। इन मैट्स का इस्तेमाल दाग और गंदगी से बचाने के लिए किया जाता है, लेकिन टेक्नीशियन के अनुसार इससे फ्रिज की कूलिंग प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि फ्रिज के कांच वाले शेल्फ ठंडी हवा को एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक पहुंचाने में मदद करते हैं। जब इन पर मोटे मैट्स बिछा दिए जाते हैं, तो एयरफ्लो रुकने लगता है। इससे सामान देर से ठंडा होता है और कंप्रेसर पर ज्यादा दबाव पड़ सकता है।कम कूलिंग की वजह से खाने–पीने का सामान जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि फ्रिज में मैट्स का इस्तेमाल न करें और नियमित सफाई के साथ सही एयरफ्लो बनाए रखें।

सुविचार

"जब प्रतिभा काम नहीं करती, तो कड़ी मेहनत प्रतिभा को हरा देती है।"

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी 07:57-09:50 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	विशाखा 10:37-01:20 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय	5:29 AM	चन्द्रोदय	05:34 PM
सूर्यास्त	7:04 PM	चंद्रास्त	04:15 AM
सूर्य राशि	वृषभ राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM -12:43PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:52-04:40
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	10:34 AM: 12:16 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मूलांक सात वालों के पास होती है गजब की छठी इंद्रिय

चेहरा देखते ही पढ़ लेते हैं मन की बात

यूनिक समय, मथुरा। अंक ज्योतिष में हर मूलांक का अपना अलग प्रभाव और स्वभाव माना गया है, लेकिन मूलांक 7 को सबसे रहस्यमयी और गहरी सोच वाला अंक माना जाता है। कहा जाता है कि इस मूलांक के लोग बिना कुछ कहे ही सामने वाले के मन की बात समझ लेते हैं। उनकी तेज इंट्यूशन पावर और लोगों को परखने की क्षमता उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। कई बार इनके अनुमान इतने सटीक साबित होते हैं कि लोग इन्हें "माइंड रीडर" तक कहने लगते हैं।

अंक ज्योतिष के अनुसार जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने की 7, 16 या 25 तारीख को होता है, उनका मूलांक 7 माना जाता है। इस अंक पर केतु ग्रह का प्रभाव माना जाता है। केतु को रहस्य, अध्यात्म और गहरी समझ का कारक कहा गया है।

यही वजह है कि मूलांक 7 वाले लोग सामान्य सोच से हटकर विचार करते हैं और हर चीज की तह तक जाने की कोशिश करते हैं।

इन लोगों की सबसे बड़ी खासियत उनकी तेज इंट्यूशन होती है। अगर कोई व्यक्ति इनके सामने झूठ बोल रहा हो या कुछ छिपाने की कोशिश कर रहा हो, तो ये जल्दी समझ जाते हैं। कई बार बिना किसी सबूत के भी इन्हें पहले से एहसास हो जाता है कि कुछ सही नहीं है। यही कारण है कि इन्हें धोखा देना आसान नहीं होता।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मूलांक 7 वाले लोग लोगों की बातों से ज्यादा उनकी बॉडी लैंग्वेज और व्यवहार को समझते हैं। परिवार और दोस्त अक्सर इनसे सलाह लेना पसंद करते हैं क्योंकि इनके फैसले और अनुमान कई बार सही साबित होते हैं। ये लोग गंभीर स्वभाव के होते हैं और बेवजह भीड़भाड़ या दिखावे से दूर रहना पसंद करते हैं।

अध्यात्म, मेडिटेशन, ज्योतिष और रहस्यमयी विषयों में इनकी खास रुचि होती है। इन्हें अकेले समय बिताना अच्छा लगता है और यही समय इन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। करियर की बात करें तो रिसर्च, लेखन, शिक्षा, अध्यात्म और क्रिएटिव फील्ड में ये लोग अच्छा नाम कमाते हैं।

हालांकि मूलांक 7 वालों की कुछ कमजोरियां भी होती हैं। ये जरूरत से ज्यादा सोचते हैं, जिसकी वजह से तनाव और मूड स्विंग्स का सामना करना पड़ सकता है।

कई बार इनका गंभीर स्वभाव लोगों को रूखा लगने लगता है, जबकि अंदर से ये बेहद भावुक और संवेदनशील होते हैं।

अंक ज्योतिष मानता है कि मूलांक 7 वाले लोगों में मेहनत और किस्मत दोनों का अच्छा संतुलन होता है। शुरुआती संघर्ष के बाद धीरे-धीरे इन्हें सफलता और पहचान मिलने लगती है। उनकी गहरी सोच, लोगों को समझने की क्षमता और तेज इंट्यूशन उन्हें भीड़ से अलग पहचान दिलाती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। मित्रों के साथ समय अच्छा बीतेगा और रुके काम पूरे होंगे।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार में सुखद माहौल रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न कर सकती है।

मिथुन: कल नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। रिश्तों में मधुरता आएगी और आत्मविश्वास मजबूत रहेगा।

कर्क: भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी रखना लाभदायक रहेगा।

सिंह: कल सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। नौकरी-व्यापार में सफलता मिलेगी। पुराने विवाद सुलझने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कन्या: कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा।

तुला: कल रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। नौकरी में तरक्की के संकेत हैं। धन लाभ संभव है।

वृश्चिक: धैर्य और समझदारी से काम लें। व्यापार में लाभ हो सकता है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

धनु: कल यात्रा के योग बन रहे हैं। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और मन उत्साह तथा सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा।

मकर: कार्य में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। निवेश सोच-समझकर करें। परिवार के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। सेहत सामान्य रहेगी और पुराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना है।

कुंभ: कल नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। आर्थिक मामलों में सफलता मिल सकती है।

मीन: कल भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग हैं। व्यापार में लाभ होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और लंबे समय से रुका कार्य पूरा हो सकता है।

हाथ से दूध या तेल गिरना क्या वाकई अशुभ संकेत है?

यूनिक समय, मथुरा। घर में रसोई के काम करते समय अक्सर दूध या तेल का गिर जाना एक सामान्य घटना मानी जाती है, लेकिन लोक परंपराओं, वास्तु शास्त्र और शकुन-अपशकुन की मान्यताओं में इसे केवल एक दुर्घटना नहीं माना जाता। कहा जाता है कि ऐसी घटनाएं कभी-कभी भविष्य में होने वाले बदलावों या जीवन की परिस्थितियों का संकेत देती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दूध को अत्यंत पवित्र माना गया है। इसका संबंध चंद्रमा, माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु से जोड़ा जाता है। अगर दूध गैस पर उबलकर बाहर गिर जाए, तो कई परंपराओं में इसे शुभ संकेत माना जाता है, जो घर में सुख-समृद्धि या किसी अच्छे समाचार की ओर इशारा कर सकता है। वहीं, अगर हाथ से दूध गिर जाए या अचानक फैल

जाए, तो इसे असंतुलन या मानसिक तनाव का प्रतीक माना जाता है।

इसी तरह तेल का संबंध शनि ग्रह और कर्मफल से जोड़ा जाता है। मान्यताओं में कहा गया है कि हाथ से तेल गिरना कभी-कभी आर्थिक दबाव, खर्च बढ़ने या कामों में रुकावट का संकेत हो सकता है। हालांकि ज्योतिषाचार्यों का यह भी कहना है कि यदि यह बार-बार हो, तभी इसे ग्रहों या मानसिक स्थिति से जोड़कर देखा जाता है, अन्यथा यह सिर्फ ध्यान की कमी या जल्दबाजी का परिणाम भी हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे संकेतों को पूरी तरह अंधविश्वास मानने की बजाय परंपरा और सांस्कृतिक दृष्टि से समझना चाहिए। कई बार यह बातें व्यक्ति को अपने व्यवहार, सोच और दिनचर्या पर ध्यान देने की प्रेरणा देती हैं। यदि ऐसी घटना हो जाए तो तुरंत घबराने की जरूरत नहीं है। धार्मिक मान्यताओं में कहा जाता है कि मन को शांत रखना, ईश्वर का स्मरण करना और सकारात्मक सोच बनाए रखना बेहतर माना जाता है। साथ ही, जरूरतमंदों की मदद करना या छोटे-छोटे दान करना भी शुभ माना जाता है।

भीड़ में पहचान बनानी है तो ये संवाद मंत्र बना देंगे आपको प्रभावशाली

यूनिक समय, मथुरा। आज के समय में केवल ज्ञान होना ही काफी नहीं है, बल्कि अपनी बात को सही तरीके से प्रस्तुत करना भी उतना ही जरूरी हो गया है। कई लोग बेहद समझदार होते हैं, लेकिन उनकी बातें लोगों पर असर नहीं छोड़ पातीं। वहीं कुछ लोग कम शब्दों में भी ऐसी बात कह जाते हैं कि हर कोई उनकी ओर ध्यान देने लगता है। इसका सबसे बड़ा कारण होता है संवाद करने का तरीका। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में प्रभावी संवाद को सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी बताया है।

चाणक्य के अनुसार व्यक्ति की पहचान उसके व्यवहार, शब्दों और बोलने के अंदाज से बनती है। यदि कोई व्यक्ति सोच-समझकर बोलता है और परिस्थिति के अनुसार अपनी बात रखता है, तो उसकी बातों का असर लंबे समय तक लोगों के मन में रहता है। आज के दौर में, जहां सोशल मीडिया से लेकर ऑफिस और

परिवार तक हर जगह अपनी बात रखने की होड़ है, वहां संवाद की कला पहले से अधिक महत्वपूर्ण बन गई है।

चाणक्य कहते हैं कि बोलने से पहले विचार करना बेहद जरूरी है। जल्दबाजी में कही गई बातें कई बार रिश्तों में दूरी और गलतफहमी पैदा कर देती हैं। इसलिए किसी भी विषय पर प्रतिक्रिया देने से पहले उसके परिणामों के बारे में सोच लेना समझदारी मानी जाती है। खासकर सोशल मीडिया पर बिना पूरी जानकारी के टिप्पणी करना विवाद का कारण बन सकता है।

इसके अलावा, सरल भाषा का उपयोग व्यक्ति को अधिक प्रभावशाली बनाता है। कठिन शब्दों और दिखावटी भाषा की बजाय सीधे और स्पष्ट शब्द लोगों के दिल तक जल्दी पहुंचते हैं। यही वजह है कि बड़े नेता, शिक्षक और सफल वक्ता अक्सर आसान भाषा में अपनी बात रखते हैं।

आत्मविश्वास भी प्रभावी संवाद की सबसे बड़ी ताकत माना गया है। यदि व्यक्ति अपनी बात कहते समय झिझकता है, तो सामने वाला भी उसे गंभीरता से नहीं लेता। वहीं स्पष्ट आवाज और आत्मविश्वास के साथ कही गई बातें लोगों का ध्यान खींचती हैं। हालांकि आत्मविश्वास और अहंकार के बीच का अंतर समझना भी जरूरी है।

चाणक्य यह भी मानते थे कि हर बात कहने का एक सही समय और माहौल होता है। यदि किसी व्यक्ति को उसकी गलती सार्वजनिक रूप से बताई जाए, तो वह अपमान महसूस कर सकता है, जबकि निजी तौर पर समझाने से बात अधिक असरदार होती है। इन सभी गुणों में सबसे महत्वपूर्ण है विनम्रता।

कठोर शब्द डर पैदा कर सकते हैं, लेकिन सम्मान नहीं दिला सकते। जो लोग दूसरों के विचारों का सम्मान करते हुए शांत और विनम्र भाषा में बात करते हैं, उनकी बातों को समाज में अधिक महत्व दिया जाता है। चाणक्य नीति का सार यही है कि प्रभावशाली व्यक्तित्व केवल ज्ञान से नहीं बनता, बल्कि सही शब्द, सही समय, आत्मविश्वास और विनम्र व्यवहार से बनता है। यदि व्यक्ति इन गुणों को अपने जीवन में अपनाए, तो वह भीड़ में भी अपनी अलग पहचान बना सकता है।

सम्पादकीय

भीषण गर्मी में बोतल का पानी कितना सुरक्षित?

ब्रजभूमि मथुरा इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। तापमान लगातार 45 डिग्री के आसपास पहुंच रहा है। श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की बढ़ती भीड़ के बीच बोतलबंद पानी की मांग तेजी से बढ़ी है। वृंदावन के मंदिरों, यमुना घाटों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर हर कदम पर प्लास्टिक की बोतलें बिकती दिखाई देती हैं। लेकिन सवाल यह है कि इतनी तेज गर्मी में क्या यह बोतलबंद पानी पूरी तरह सुरक्षित भी है? मथुरा–वृंदावन आने वाले हजारों श्रद्धालु गर्मी से राहत पाने के लिए सबसे अधिक भरोसा ठंडे पानी की बोतलों पर करते हैं। कई दुकानों पर ये बोतलें घंटों तक धूप में रखी रहती हैं। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि अत्यधिक तापमान में प्लास्टिक की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। माइक्रोप्लास्टिक और रासायनिक तत्वों को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। ऐसे में मथुरा जैसे धार्मिक और पर्यटन शहर में यह मुद्दा और अधिक गंभीर हो जाता है।

पवन गौतम
संपादक

विडंबना यह है कि शहर में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता पर तो चर्चा होती है, लेकिन प्लास्टिक पैकेजिंग की सुरक्षा पर शायद ही कोई गंभीर विमर्श दिखाई देता हो। यमुना किनारे और प्रमुख मार्गों पर खाली प्लास्टिक बोतलों का बढ़ता ढेर पर्यावरण के लिए भी खतरा बन रहा है।

श्रद्धा की नगरी में यह प्रदूषण शहर की छवि पर भी सवाल खड़े करता है।

मथुरा में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं। ऐसे में प्रशासन और संबंधित एजेंसियों को गर्मी के मौसम में बोतलबंद पानी के भंडारण और बिक्री के लिए विशेष मानक तय करने चाहिए। दुकानों पर धूप में रखी बोतलों की निगरानी, सुरक्षित स्टोरेज व्यवस्था और प्लास्टिक कचरे के प्रभावी निस्तारण की आवश्यकता अब पहले से कहीं अधिक महसूस हो रही है।

ब्रज की धरती केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान भी है। यदि यहां स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के साथ सुरक्षित पेयजल व्यवस्था पर ध्यान दिया जाए, तो यह देश के अन्य धार्मिक शहरों के लिए उदाहरण बन सकता है। अब समय केवल ठंडा पानी बेचने का नहीं, बल्कि सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने का है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

एआई : मानवता के उत्थान का माध्यम या महाविनाश का संकेत?

बोध प्रकाश सगुणी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज दुनिया की सबसे चर्चित और प्रभावशाली तकनीकों में शामिल हो चुकी है। बीते कुछ वर्षों में जिस तेजी से एआई ने विकास किया है, उसने मानव जीवन की कार्यप्रणाली को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, कृषि, उद्योग, सुरक्षा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई ने अभूतपूर्व बदलाव लाए हैं। मशीनें अब केवल आदेश मानने तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि वे सीखने, विश्लेषण करने और निर्णय लेने में भी सक्षम होती जा रही हैं। यही कारण है कि एआई को चौथी औद्योगिक क्रांति का सबसे बड़ा आधार माना जा रहा है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रश्न भी लगातार गहराता जा रहा है कि क्या यह तकनीक मानव सभ्यता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी या भविष्य में किसी बड़े संकट का कारण बनेगी?

आज दुनिया के बड़े वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ और नीति–निर्माता एआई को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। हाल ही में पोप लियो चौदहवें ने भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानवता के सामने उभरती सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध और मानव जीवन से जुड़े निर्णय मशीनों के भरोसे नहीं छोड़े जा सकते। उनका कहना था कि तकनीक का उद्देश्य मानव सेवा होना चाहिए, न कि मनुष्य पर नियंत्रण स्थापित करना। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं, बल्कि वैश्विक मानव सुरक्षा का गंभीर विषय है। दरअसल एआई का प्रभाव अब केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। यह वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामरिक संतुलन को भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिका, चीन, रूस और अन्य महाशक्तियां एआई आधारित तकनीकों को भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति मानकर निवेश कर रही हैं। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकों का विकास तेजी से हो रहा है। यदि भविष्य में युद्ध संबंधी निर्णय मशीनों के हाथों में चले गए तो यह मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक स्थिति होगी। मशीनों के पास संवेदनाएं, करुणा और नैतिक विवेक नहीं होता। वे केवल डेटा और एल्गोरिद्म के आधार पर निर्णय लेती हैं। ऐसे में युद्ध और विनाश का खतरा और अधिक बढ़ सकता है।

इतिहास यह साबित करता है कि जब भी विज्ञान और तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के बजाय शक्ति प्रदर्शन और प्रभुत्व के लिए किया गया है, तब उसका परिणाम विनाशकारी रहा है। परमाणु हथियारों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जिस प्रकार का विनाश किया, वह पूरी दुनिया के लिए आज भी चेतावनी है। एआई को लेकर भी यही आशंका व्यक्त की जा रही है कि यदि इसका उपयोग अनियंत्रित रूप से हुआ तो यह

भविष्य में मानव सभ्यता के लिए गंभीर संकट बन सकता है। हालांकि एआई का दूसरा पक्ष अत्यंत सकारात्मक भी है। चिकित्सा क्षेत्र में एआई ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। कैंसर, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों की पहचान अब पहले से अधिक सटीक और तेज हो गई है। अस्पतालों में एआई आधारित रोबोट सर्जरी तक कर रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी छात्रों को व्यक्तिगत स्तर पर सीखने में सहायता मिल रही है। कृषि में मौसम पूर्वानुमान, सिंचाई प्रबंधन और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में एआई उपयोगी साबित हो रहा है। उद्योगों में मशीनों की कार्यक्षमता बढ़ी है और उत्पादन लागत कम हुई है। प्रशासनिक व्यवस्थाओं में पारदर्शिता और तेजी आई है। इन उपलब्धियों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि एआई मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाने की क्षमता रखता है। लेकिन तकनीकी विकास के साथ सामाजिक और आर्थिक चुनौतियां भी तेजी से बढ़ रही हैं। एआई का सबसे बड़ा असर रोजगार के क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। मशीनें अब मानव श्रम का स्थान ले रही हैं। ग्राहक सेवा, डेटा प्रबंधन, लेखांकन, अनुवाद, कंटेंट लेखन और प्रोग्रामिंग जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित प्रणालियां तेजी से उपयोग में लाई जा रही हैं। कंपनियां कम लागत और अधिक दक्षता के कारण मानव कर्मचारियों की जगह मशीनों को प्राथमिकता दे रही हैं। इससे आने वाले वर्षों में लाखों लोगों के रोजगार प्रभावित हो सकते हैं। बेरोजगारी बढ़ने से सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराने की आशंका है।

इसके अलावा साइबर सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। आज दुनिया की बैंकिंग व्यवस्था, रक्षा प्रणाली, ऊर्जा नेटवर्क और संचार तंत्र डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी देश की व्यवस्था को कुछ ही घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। डीपफेक वीडियो, नकली आवाजें और भ्रामक सूचनाएं लोकतंत्र और सामाजिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों का प्रसार तेजी से हो रहा है, जिससे समाज में भ्रम और तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है। एआई से जुड़ी एक और चिंता मानव नियंत्रण के कमजोर पड़ने की है। वैज्ञानिकों का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी सुपर इंटेलिजेंट मशीनें विकसित हो सकती हैं, जो मनुष्य की बुद्धिमत्ता से कहीं अधिक सक्षम होंगी। यदि ऐसा हुआ तो सबसे बड़ा प्रश्न यह होगा कि उन मशीनों को नियंत्रित कौन करेगा। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई तकनीक पर नियंत्रण बनाए रख पाएगा? यदि मशीनें स्वयं निर्णय लेने लगें और मानवीय निर्देशों की अनदेखी करने लगें तो यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए गंभीर संकट बन सकती है।

भारत जैसे विकासशील और युवा देश के लिए एआई का प्रभाव और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यहां रोजगार और शिक्षा पहले से ही बड़ी चुनौतियां हैं। यदि एआई का विकास बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के हुआ तो लाखों पारंपरिक नौकरियां समाप्त हो सकती हैं। इसलिए भारत को तकनीकी विकास और सामाजिक संतुलन के बीच समन्वय बनाना होगा। शिक्षा व्यवस्था को भी बदलने की आवश्यकता है, ताकि युवा केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि रचनात्मकता, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को भी विकसित कर सकें।

सरकार को एआई के उपयोग के लिए स्पष्ट और प्रभावी नीति तैयार करनी होगी। डेटा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, रोजगार संरक्षण और एआई आधारित हथियारों के नियंत्रण जैसे विषयों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग के लिए साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय समझौते आवश्यक हैं। जिस प्रकार परमाणु हथियारों के नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय संधियां बनाई गईं, उसी प्रकार एआई के सैन्य और अनैतिक उपयोग को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक सहयोग जरूरी है। आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, बल्कि मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई तकनीक को नियंत्रित रख पाएगा? क्या विकास संवेदनाओं और नैतिकता से बड़ा हो जाएगा? क्या मशीनें मानव जीवन को आसान बनाएंगी या उस पर नियंत्रण स्थापित करेंगी? इन प्रश्नों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। तकनीकी प्रगति तभी सार्थक होगी, जब उसका उद्देश्य मानव कल्याण और विश्वशांति को मजबूत करना हो।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मानव सभ्यता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता है, लेकिन यदि यह तकनीक नैतिकता और मानवीय नियंत्रण से मुक्त हो गई तो यह भविष्य के सबसे बड़े संकट का कारण भी बन सकती है। इसलिए आवश्यकता केवल तकनीकी विकास की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण और मानवता–केंद्रित विकास की है। दुनिया को यह सुनिश्चित करना होगा कि मशीनें कितनी भी विकसित क्यों न हो जाएं, लेकिन मानवता, संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हमेशा सर्वोच्च बने रहें।

विचार विण्डो

शिक्षा का बाजारवाद और विद्यार्थियों का बढ़ता अवसाद

राम प्रकाश वर्मा

भारत में शिक्षा को सदियों से केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया माना गया है। शिक्षा व्यक्ति को संस्कार, विवेक, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का बोध कराती है। लेकिन विडंबना यह है कि आज वही शिक्षा व्यवस्था धीरे–धीरे बाजारवाद की गिरफ्त में आती जा रही है। वैश्वीकरण और निजीकरण के दौर में शिक्षा का उद्देश्य मानवीय विकास से हटकर लाभ कमाने का साधन बनता दिखाई दे रहा है। स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान अब सेवा नहीं, बल्कि उद्योग के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस बदलते परिदृश्य ने विद्यार्थियों के भीतर गहरा मानसिक दबाव, असंतोष और असुरक्षा पैदा कर दी है।

हाल ही में राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र की आत्महत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया। परिवार के अनुसार छात्र ने परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन परीक्षा रद्द होने और भविष्य को लेकर उत्पन्न अनिश्चितता ने उसे मानसिक रूप से तोड़ दिया। यह घटना केवल एक छात्र की व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि उस शिक्षा व्यवस्था का आईना है जिसमें विद्यार्थियों का मानसिक संतुलन लगातार कमजोर हो रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि देश में हर वर्ष हजारों विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। औसतन हर 36 मिनट में एक छात्र जीवन समाप्त कर लेता है। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की गंभीर विफलता का संकेत है। आज शिक्षा का केंद्र ज्ञान नहीं, बल्कि अंक और प्रतियोगिता बन चुके हैं। बच्चे बचपन से ही रैंक, प्रतिशत और सफलता की दौड़ में धकेल दिए जाते हैं। माता–पिता की अपेक्षाएं, समाज की तुलना और नौकरी का भय विद्यार्थियों पर इतना दबाव बना देते हैं कि वे स्वयं को केवल परिणामों से आंकने लगते हैं। यदि सफलता मिली तो सम्मान, और असफलता मिली तो निराशा। इस सोच ने शिक्षा को मानवीय विकास के बजाय मानसिक तनाव का माध्यम बना दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति कोचिंग संस्कृति की है। देश के कई शहर शिक्षा के बड़े बाजार में बदल चुके हैं, जहां डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये का कारोबार होता है। बड़े–बड़े विज्ञापन,

चयनित विद्यार्थियों की तस्वीरें और सफलता के सपने बेचकर विद्यार्थियों और अभिभावकों को आकर्षित किया जाता है। लेकिन इन चमकदार दावों के पीछे विद्यार्थियों का अकेलापन, भय और मानसिक संघर्ष छिपा रहता है। हजारों छात्र घर–परिवार से दूर रहकर दिन–रात प्रतिस्पर्धा के दबाव में पढ़ाई करते हैं। असफलता का डर उन्हें भीतर से तोड़ देता है। शिक्षा व्यवस्था की दूसरी बड़ी समस्या परीक्षा प्रणाली में बढ़ती अव्यवस्था है। पेपर लीक, नकल, फर्जीवाड़ा और मूल्यांकन में अनियमितताएं अब सामान्य घटनाएं बन चुकी हैं। कई राज्यों में भर्ती परीक्षाओं से लेकर बोर्ड परीक्षाओं तक प्रश्नपत्र लीक होने के मामले सामने आते रहते हैं। इससे मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का विश्वास टूटता है। जब योग्य छात्र भी व्यवस्था पर भरोसा खोने लगें, तो समाज में असंतोष स्वाभाविक है। नकल अब व्यक्तिगत गलती नहीं रही, बल्कि एक संगठित उद्योग का रूप ले चुकी है, जिसमें कई स्तरों पर गठजोड़ दिखाई देता है। यह स्थिति शिक्षा की विश्वसनीयता को कमजोर कर रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थिति भी चिंताजनक है। विश्वविद्यालयों में शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, केवल औपचारिकता के लिए संचालित कोर्सवर्क और राजनीतिक हस्तक्षेप जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों में जातिगत भेदभाव और मानसिक उत्पीड़न के आरोप भी सामने आते रहे हैं। इससे वंचित और कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों में असुरक्षा की भावना बढ़ती है। शिक्षा, जो समान अवसर का माध्यम होनी चाहिए, वह कई बार भेदभाव और तनाव का कारण बन जाती है। वास्तव में समस्या केवल शिक्षा संस्थानों की नहीं, बल्कि समाज की सोच में भी है। हमने शिक्षा को रोजगार प्राप्त करने तक सीमित कर दिया है। विद्यार्थी की रुचि, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता। हर बच्चे से एक जैसी सफलता की अपेक्षा की जाती है। कला, साहित्य, खेल और सामाजिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों को अक्सर कमतर समझा जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी अपनी पसंद के बजाय सामाजिक दबाव में करियर चुनते हैं और बाद में मानसिक संघर्ष का सामना करते हैं। ब्राजील के प्रसिद्ध शिक्षाविद पाउलो फ्रेरे का मानना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि समाज की आलोचनात्मक समझ विकसित करना होना चाहिए। शिक्षा व्यक्ति को सोचने, प्रश्न करने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की क्षमता देती है। लेकिन आज की शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों को संवेदनशील नागरिक बनाने के बजाय केवल प्रतिस्पर्धी मशीन में बदलती जा रही है। इसमें मानवीय मूल्यों, संवाद और सामाजिक चेतना के लिए बहुत कम स्थान बचा है। स्थिति सुधारने के लिए केवल नई नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले शिक्षा को व्यापारिक मानसिकता से मुक्त करना होगा। सरकार को सरकारी शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता मजबूत करनी चाहिए, ताकि शिक्षा केवल धनवान वर्ग तक सीमित न रहे। परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना भी आवश्यक है। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए स्कूलों और कॉलेजों में प्रभावी परामर्श व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। अभिभावकों को भी यह समझना होगा कि हर बच्चा अलग क्षमता और रुचि रखता है। सफलता का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनना नहीं है।

शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज निर्माता होते हैं। यदि शिक्षा में संवेदनशीलता, संवाद और नैतिकता को स्थान दिया जाए तो विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित हो सकती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को बाजार के दबाव से निकालकर समाज और मानवीय मूल्यों से जोड़ा जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो डिग्रियों का यह व्यापार विद्यार्थियों के सपनों, मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य को लगातार निगलता रहेगा। शिक्षा तभी सार्थक होगी जब वह प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संवेदना और संतुलित विकास का माध्यम बने।

आईसीसी ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

महिला टी 20 वर्ल्ड कप में दिखेगा भारतीय बेटियों का दम

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2026 शुरू होने से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी क्ष्उउ ने टूर्नामेंट के मैच ऑफिशियल्स के नामों का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड की मेजबानी में 12 जून से शुरू होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट में इस बार भी पूरी तरह महिला मैच ऑफिशियल्स की टीम नजर आएगी। खास बात यह है कि इस सूची में भारत की चार महिलाओं को भी अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईसीसी ने ग्रुप स्टेज मुकाबलों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी के नाम घोषित किए हैं। महिला टी20 वर्ल्ड कप का यह लगातार तीसरा संस्करण होगा, जिसमें सभी मैच ऑफिशियल्स महिलाएं ही होंगी। क्रिकेट जगत में इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा

कदम माना जा रहा है। भारत की ओर से अनुभवी जीएस लक्ष्मी को मैच रेफरी बनाया गया है। वह इससे पहले भी कई बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में यह जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। वहीं अंपायरिंग पैनल में जननी एन, वृंदा राठी और गायत्री वेणुगोपालन को शामिल किया गया है। इन चारों भारतीय महिलाओं की मौजूदगी देश के लिए गर्व की बात मानी जा रही है। क्रिकेट फैंस सोशल मीडिया पर भी भारतीय महिला अधिकारियों की इस उपलब्धि की जमकर तारीफ कर रहे हैं। आईसीसी के इस पैनल में ऑस्ट्रेलिया की क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी अंपायर हैं। वह छठी बार महिला टी 20 वर्ल्ड कप में अंपायरिंग करती नजर आएंगी। अब तक वह 22 मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुकी हैं। वहीं जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन भी अनुभवी नामों में शामिल हैं, जिन्होंने महिला टी20 वर्ल्ड कप में 19–19 मैचों में अंपायरिंग की है। महिला टी 20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 33 मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मैच मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। पिछली बार न्यूजीलैंड ने खिताब अपने नाम किया था, लेकिन इस बार कई टीमें ट्रॉफी जीतने की मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि महिला क्रिकेट लगातार नई ऊंचाइयों तक पहुंच रहा है। सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि अंपायरिंग और मैच मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं की बढ़ती भागीदारी खेल को नई पहचान दे रही है। क्ष्उउ का यह फैसला दुनिया भर की महिला क्रिकेटर्स और अधिकारियों के लिए प्रेरणा माना जा रहा है।

ऐश्वर्या–विजय को पीछे छोड़ बना सबसे पॉपुलर स्टार

14 साल के बच्चे ने मचाया तहलका

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईएमडीबी की ताजा पॉपुलैरिटी लिस्ट में इस बार एक ऐसा नाम सामने आया है जिसने हर किसी को चौंका दिया। महज 14 साल के युवा अभिनेता युधवीर अहलावत ने ऐश्वर्या राय, थलपति विजय और शाहरुख खान जैसे दिग्गज सितारों को पीछे छोड़ते हुए सबसे लोकप्रिय भारतीय सेलिब्रिटी का स्थान हासिल कर लिया है। युधवीर इन दिनों नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सैफ अली खान स्टारर फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर जबरदस्त चर्चा में हैं। फिल्म में उन्होंने एक ऐसे किशोर का किरदार निभाया है, जिसे बहला–फुसलाकर अपराध की दुनिया में धकेल दिया जाता है। उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों से खूब सराहना मिल रही है। यही वजह है कि दुनियाभर के लोग उनके बारे में जानने के लिए लगातार उनकी आईएमडीबी प्रोफाइल सर्च कर रहे हैं। हरियाणा के रहने वाले युधवीर ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'सांड की आंख' से की थी। इसके बाद वह 'लव हॉस्टल' और वेब सीरीज 'को–एड' में भी नजर आ चुके हैं। हालांकि 'कर्तव्य' ने उन्हें नई पहचान दिलाई है। क्ष्टुऊ की इस सूची में ऐश्वर्या राय तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि थलपति विजय चौथे नंबर पर रहे। वहीं शाहरुख खान इस बार टॉप 30 की लिस्ट से बाहर हो गए। सोशल मीडिया पर भी युधवीर की इस सफलता की जमकर चर्चा हो रही है।

कंगना और इम्तियाज की फिल्मों में होगी सीधी टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड में 12 जून का दिन बेहद खास और रोमांचक होने वाला है, क्योंकि इस दिन कई बड़ी फिल्में एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही हैं। सबसे ज्यादा चर्चा कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' और इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर हो रही है। दोनों फिल्मों की सीधी टक्कर अब बॉक्स ऑफिस की सबसे बड़ी चर्चा बन गई है। कंगना रनौत ने हाल ही में अपनी फिल्म का पहला मोशन पोस्टर जारी किया, जिसमें वह नर्स के किरदार में नजर आ रही हैं। पोस्टर में आग, खून और अस्पताल का माहौल फिल्म की गंभीर कहानी की झलक देता है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान अस्पताल कर्मचारियों की बहादुरी पर

12 जून को बॉक्स ऑफिस पर महाक्लैश

आधारित है। वहीं इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर भी दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसके अलावा इसी दिन मनोज बाजपेयी की 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' और विक्रम भट्ट की 'हॉन्टेड 3डः इकोज ऑफ द पास्ट' भी रिलीज होंगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस का असली विजेता कौन बनता है।

'रामायण' के जटायु अब जी रहे सादा जीवन

आज छोटे–मोटे काम कर गुजार रहे जिंदगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। रामानंद सागर की 'रामायण' ने भारतीय टेलीविजन को कई यादगार कलाकार दिए। इन्हीं में से एक अभिनेता सुनील वर्मा भी थे, जिन्होंने शो में जटायु समेत कई अहम किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। उस दौर में उनकी लोकप्रियता इतनी ज्यादा थी कि लोग उन्हें भगवान जैसा सम्मान देते थे। सुनील वर्मा ने 'रामायण' में सिर्फ जटायु ही नहीं, बल्कि इंद्रदेव, गरुण देवता, रावण के बेटे, च्यवन ऋषि और सुतिक्ष मुनि जैसे करीब 6 अलग–अलग किरदार निभाए थे। खासतौर पर जटायु का रोल दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ। भारी–भरकम कॉस्ट्यूम और कठिन शूटिंग के बावजूद उन्होंने अपने अभिनय से इस किरदार को अमर बना दिया। 'रामायण' की सफलता के बाद सुनील वर्मा ने कई टीवी शोज और फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने 'टीपू सुल्तान' और 'उत्तर रामायण' जैसे चर्चित धारावाहिकों में अभिनय किया। हालांकि समय के साथ उन्हें काम मिलना कम होता गया और वह धीरे–धीरे इंडस्ट्री से दूर हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब वह पटना में साधारण जिंदगी जी रहे हैं। गुजारा करने के लिए उन्हें छोटे एक्टिंग प्रोजेक्ट्स और बी–ग्रेड फिल्मों में भी काम करना पड़ा। उनकी कहानी बताती है कि मनोरंजन की दुनिया में शोहरत हमेशा कायम नहीं रहती।

यहीं से चमकी सुनील ग्रोवर की किस्मत

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी की दुनिया में जहां कॉमेडी का मतलब तेज आवाज, लंबे डायलॉग और लाफ्टर ट्रैक माना जाता था, वहीं साल 2010 में एक ऐसा शो आया जिसने बिना एक भी शब्द बोले लोगों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया। इस अनोखे शो का नाम था 'गुटुर गू', जिसने भारतीय टेलीविजन पर साइलेंट कॉमेडी की नई पहचान बनाई। इस शो की सबसे खास बात यह थी कि इसके 189 एपिसोड्स में एक भी डायलॉग नहीं था। पूरी कहानी सिर्फ कलाकारों के एक्सप्रेशन्स, बॉडी लैंग्वेज और मजेदार साउंड इफेक्ट्स के जरिए दिखाई जाती थी। यही वजह थी कि बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक इस शो को परिवार के साथ बैठकर देखना पसंद करते थे। 'गुटुर गू' में सुनील ग्रोवर ने 'बालू' का किरदार निभाया था। बिना बोले सिर्फ अपने चेहरे के हावभाव और कॉमिक टाइमिंग से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया। यही शो उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। बाद में सुनील ग्रोवर 'गुत्थी' और 'डॉक्टर मशहूर गुलाटी' जैसे किरदारों से घर–घर में मशहूर हो गए। शो में शीतल मौलिक, केके गोस्वामी और भावना बलसावर जैसे कलाकार भी नजर आए थे। इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक बीपी सिंह ने किया था, जिन्हें 'सीआईडी' जैसे लोकप्रिय शो के लिए जाना जाता है। क्ष्टुऊ पर इस शो को 7.9 की शानदार रेटिंग मिली है। आज भी 'गुटुर गू' को भारतीय टीवी के सबसे अलग और यादगार कॉमेडी शोज में गिना जाता है।

वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी से दिग्गज पीछे

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में अगर किसी बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं, तो वह है युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से उन्होंने इस सीजन में ऐसा तूफान मचाया है कि बड़े–बड़े दिग्गज बल्लेबाज भी उनके आसपास नजर नहीं आ रहे। वैभव अब इस आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं और उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड भी ध्वस्त कर दिए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। हालांकि वह शतक से सिर्फ तीन रन दूर रह गए, लेकिन उनकी इस पारी ने फैंस को रोमांच से भर दिया। इसी मुकाबले के दौरान उन्होंने आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े रिकॉर्ड्स में से एक को तोड़ते हुए क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया। क्रिस गेल ने एक सीजन में 59 छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया था,

लेकिन वैभव अब 15 मैचों में ही 65 सिक्स जड़ चुके हैं।

वैभव की खास बात सिर्फ लंबे छक्के लगाना नहीं, बल्कि दबाव वाले मैचों में आक्रामक बल्लेबाजी करना भी है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में लगातार रन बनाए हैं और अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स को क्वालीफायर–2 तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। अब टीम के पास फाइनल में पहुंचने का मौका है, ऐसे में वैभव के पास अपने रिकॉर्ड को और बड़ा करने का अवसर भी रहेगा। छक्कों की इस रेस में दूसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने 15 मैचों में 43 छक्के लगाए हैं। हालांकि उनकी टीम टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार 41 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं और उनके पास अभी एक मुकाबला बाकी है। अगर चौकों की बात करें तो गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 65 चौकों के साथ पहले नंबर पर हैं।

विराट कोहली 64 चौकों के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि छक्कों के मामले में वैभव सूर्यवंशी अब सबसे आगे निकल चुके हैं और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उनका रिकॉर्ड टूटना फिलहाल बेहद मुश्किल माना जा रहा है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े सितारों में शामिल हो सकते हैं। जिस आत्मविश्वास और आक्रामक अंदाज के साथ वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, उसने फैंस को भविष्य का नया सुपरस्टार दे दिया है।

गोरखपुर में भीषण सड़क हादसा

ट्रक–डंपर की टक्कर के बाद आग में दो लोग जिंदा जले

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर में कुशीनगर-लखनऊ हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। गलत दिशा से आ रहे डंपर और मक्का लदे ट्रक की जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि डंपर में फंसे चालक और क्लीनर बाहर नहीं निकल सके और जिंदा जल गए। बाद में केवल कंकाल ही बचा मिला।

हादसे के बाद ट्रक चालक और खलासी किसी तरह कूदकर बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन वे भी गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि दूर–दूर तक धुआं दिखाई दे रहा था और आसपास के लोग दहशत में आ गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड

की पांच गाड़ियों ने करीब एक से दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि दमकलकर्मी भी शुरू में पास जाने की हिम्मत नहीं कर पाए। हादसे के कारण हाईवे पर लगभग पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। पुलिस

भीषण आग के बाद लगा हाईवे पर लंबा जाम

और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया और यातायात बहाल करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार डंपर चालक की पहचान बस्ती जिले के धमोरा गांव निवासी सत्येंद्र के रूप में हुई है, जबकि क्लीनर शिवा फतेहपुर का रहने वाला था। शवों की पहचान के लिए आगे डीएनए जांच की प्रक्रिया अपनाई जाएगी क्योंकि शरीर पूरी तरह जल चुके हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि डंपर गलत दिशा से आ रहा था, जिससे यह भीषण टक्कर हुई। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

कानपुर नगर निगम वेबसाइट हैक, सेवाएं पूरी तरह ठप

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट गुरुवार दोपहर अचानक हैक हो गई, जिससे नगर निगम की कई महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवाएं ठप पड़ गईं। इस साइबर हमले के बाद कानपुर से लेकर दिल्ली तक प्रशासनिक और तकनीकी विभागों में हड़कंप मच गया।

वेबसाइट बंद होने से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। इसके अलावा गृहकर जमा करने, ऑनलाइन भुगतान, विकास कार्यों के टेंडर और कर्मचारियों के वेतन से जुड़ी सेवाएं भी बाधित हो गई हैं। हजारों नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और नगर निगम कार्यालयों में पूछताछ के लिए भीड़ बढ़ गई है। घटना की जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के इंजीनियर और साइबर विशेषज्ञ सक्रिय हो गए। दिल्ली और लखनऊ की तकनीकी टीमें वेबसाइट को सुरक्षित तरीके से दोबारा शुरू करने में जुटी हैं। अधिकारियों के अनुसार सर्वर में गंभीर

जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र प्रक्रिया प्रभावित हुई

साइबर हमले से प्रशासन में मचा हड़कंप

तकनीकी समस्या और साइबर हमले की आशंका की जांच की जा रही है। नगर निगम प्रशासन ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों और साइबर सेल को भी सूचना दे दी गई है। जांच की जा रही है कि इस हमले के पीछे कौन लोग शामिल हैं और क्या किसी संवेदनशील डेटा की चोरी हुई है। फिलहाल सभी ऑनलाइन सेवाएं बहाल करने के प्रयास जारी हैं।

गाजियाबाद में युवक की गोली मारकर हत्या

पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था युवक

इंटरव्यू देने आया ट्यूबवेल के पास मिला शव

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी इलाके में 21 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक का शव बंथला नहर के पास एक ट्यूबवेल के करीब मिला। मृतक की पहचान बागपत के डोला गांव निवासी नितिन राणा के रूप में हुई है। वह यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहा था और नौकरी के इंटरव्यू के लिए गाजियाबाद आया था।

पुलिस के अनुसार नितिन के सिर, कनपटी और सीने में पांच गोलियां मारी गईं। मौके से बियर की चार कैन और एक बैग बरामद हुआ है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य सबूतों के आधार पर जांच कर रही है।

परिजनों ने गांव के ही दो युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। नितिन के चचेरे भाई का कहना है कि कुछ महीने पहले गांव की एक लड़की घर छोड़कर चली गई थी। उस दौरान नितिन ने उसे गांव के बाहर तक छोड़ा था। तभी से लड़की के परिजन उससे नाराज थे और लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना स्थल के आसपास गोली चलने की आवाज सुनाई नहीं दी। इलाके में सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन टीमें जांच में लगा दी हैं।

मेरठ में कुर्बानी को लेकर धार्मिक स्थल पर हंगामा

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के नौचंदी थाना क्षेत्र में धार्मिक स्थल परिसर के पास कुर्बानी को लेकर विवाद के बाद हंगामा हो गया। घटना के बाद दोनों पक्षों के लोग मौके पर जमा हो गए और माहौल तनावपूर्ण बन गया। देखते ही देखते स्थिति बिगड़ने लगी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही नौचंदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया।

पुलिस ने समझाने–बुझाने के बाद स्थिति शांत कराई और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल

दो पक्षों में विवाद के बाद तनाव फैला

पुलिस ने हिरासत में लेकर जांच शुरू की

तैनात कर दिया गया है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति न बने। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जो भी लोग माहौल खराब करने की कोशिश में शामिल पाए जाएंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में शांति बनी हुई है, लेकिन पुलिस लगातार निगरानी रख रही है।

आगरा में मुकदमे में एसीपी का नाम दर्ज, थाना प्रभारी निलंबित

यूनिक समय, आगरा। लोहामंडी थाने में दर्ज एक मुकदमे में बड़ी पुलिस लापरवाही सामने आई है। अधिवक्ता की तहरीर पर बिना जांच किए महिला एसीपी का नाम भी मुकदमे में शामिल कर दिया गया। मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए लोहामंडी थाना प्रभारी उत्तम चंद पटेल को निलंबित कर दिया। उनकी जगह सिकंदरा थाने के इंस्पेक्टर क्राइम इंद्रजीत सिंह को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जांच में सामने आया कि थाना प्रभारी ने तहरीर पढ़े बिना ही मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दे दिए थे। अब मुकदमा दर्ज करने वाले मुंशियों पर भी कार्रवाई की तैयारी चल रही है।

यूपी में मौसम बदलेगा कई जिलों में बारिश अलर्ट

तेज आंधी और ओलावृष्टि की संभावना

भीषण गर्मी के बीच राहत की उम्मीद

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नौतपा के चौथे दिन मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। सुबह से कई जिलों में तेज हवाएं चल रही हैं और आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के 69 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिनमें से 24 जिलों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। साथ ही 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। हालांकि दूसरी ओर भीषण गर्मी का असर अभी भी जारी है। बांदा में तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे अधिक रहा। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट भी जारी किया गया है। तेज धूप और लू के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिससे प्रदेश में आंधी और बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। इसके चलते तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। आगामी दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार 29 और 30 मई को प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

कई जगहों पर आंधी–तूफान और बिजली गिरने की भी आशंका है। 31 मई तक मौसम में उतार–चढ़ाव जारी रहेगा, जबकि 1 जून से फिर तेज धूप लौटने की संभावना है। कई शहरों में गर्मी से राहत के लिए प्रशासन द्वारा भी कदम उठाए जा रहे हैं। कहीं स्कूटी पर कवर लगाकर लोग धूप से बच रहे हैं तो कहीं राहगीरों के लिए शेड लगाए गए हैं। फिलहाल प्रदेश में मौसम का यह बदलता मिजाज लोगों के लिए राहत और चुनौती दोनों लेकर आया है।

यूपी में ईद–उल–अजहा पर शांति और भीड़ दोनों का माहौल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ईद–उल–अजहा (बकरीद) का त्योहार पूरे उत्साह और अकीदत के साथ मनाया जा रहा है। लखनऊ, आगरा, वाराणसी, कानपुर और अन्य जिलों की ईदगाहों और मस्जिदों में हजारों की संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। लखनऊ की ऐशबाग ईदगाह में लगभग 30 हजार से अधिक नमाजी इकट्ठा हुए। वहीं आगरा के ताजमहल परिसर में करीब 5 हजार लोगों ने नमाज पढ़ी, जिसमें विदेशी पर्यटक भी शामिल रहे।

हालांकि कुछ स्थानों पर भीड़ अधिक होने के कारण तनाव की स्थिति भी देखने को मिली। बुलंदशहर में ईदगाह मस्जिद के बाहर नमाज पढ़ने को लेकर पुलिस और सपा नेताओं के बीच बहस हो गई। स्थिति बिगड़ने पर सीओ ने नेताओं से हाथ जोड़कर वहां

से जाने की अपील की, जिससे मामला शांत हुआ।

प्रदेश के कई जिलों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। कानपुर में ड्रोन से निगरानी की जा रही है, जबकि वाराणसी और संभल में ईदगाहों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नमाज केवल निर्धारित स्थानों पर ही पढ़ी जाए और सड़क पर भीड़ न लगाई जाए।

इस बीच ललितपुर में नमाज के बाद पुलिस अधिकारियों द्वारा जरूरतमंदों को सहायता राशि दी गई,

कई जिलों में पुलिस तैनाती और सख्त निगरानी

नमाज के दौरान कुछ जगहों पर तनाव भी

जबकि बिजनौर में एक सांसद ने ईदगाह पहुंचकर नमाजियों पर पुष्प वर्षा की। लखनऊ में त्योहार के मौके पर जानवरों की खरीद–बिक्री का बड़ा कारोबार भी देखने को मिला, जहां करीब 450 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ।

कुल मिलाकर प्रदेश में त्योहार का माहौल भाईचारे और श्रद्धा से भरा रहा, लेकिन कुछ जगहों पर भीड़ और व्यवस्था को लेकर प्रशासन को सख्ती भी दिखानी पड़ी।

राजनीतिक में बड़ा बदलाव, सिद्धारमैया ने दिया इस्तीफा

डीके शिवकुमार बन सकते हैं कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को बेंगलुरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने पार्टी हाईकमान के निर्देश का पालन किया है और जब भी नेतृत्व परिवर्तन का आदेश आया, उन्होंने उसे स्वीकार किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी उनके साथ मौजूद रहे।

सिद्धारमैया ने बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया है। हालांकि राज्यपाल के बाहर होने के कारण औपचारिक प्रक्रिया बाद में पूरी की जाएगी। इस्तीफा स्वीकार होने तक वे तकनीकी रूप से पद पर बने रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेतृत्व में लंबे समय से चल रही खींचतान के बाद अब डीके शिवकुमार को नया मुख्यमंत्री बनाने पर सहमति बन गई है। पार्टी के भीतर पहले से तय रोटेशनल फॉर्मूले के तहत यह बदलाव किया जा रहा है। जल्द ही कांग्रेस विधायक दल की बैठक में इसकी औपचारिक घोषणा हो सकती है।

इस दौरान राजनीतिक माहौल काफी भावनात्मक भी रहा। बैठक में डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाकर विदाई और सम्मान व्यक्त किया। यह दृश्य राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन पर सहमति

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार नए मंत्रिमंडल में भी बड़ा फेरबदल हो सकता है और कई नए चेहरों को जगह दी जा सकती है। साथ ही दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की भी संभावना जताई जा रही है।

इस बदलाव को पार्टी नेतृत्व द्वारा सरकार में नई ऊर्जा लाने और एंटी-इंकम्बेंसी को कम करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। कर्नाटक की राजनीति में यह बदलाव आने वाले समय में राज्य की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।

मधुबनी स्टेशन पर ट्रेन में भीषण आग से हड़कंप

प्लेटफॉर्म पर खड़ी अंत्योदय एक्सप्रेस जली

रेलवे और दमकल ने पाया आग पर काबू

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार तड़के बड़ा हादसा हो गया, जब प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर खड़ी जयनगर-उधना अंत्योदय एक्सप्रेस की खाली बोगियों में अचानक भीषण आग लग गई। शंटिंग के दौरान शुरू हुई इस आग ने कुछ ही मिनटों में एक पूरी बोगी को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

आग लगने का समय सुबह करीब 3:50 बजे बताया जा रहा है। शुरुआती रूप से धुआं उठने के बाद आग तेजी से फैल गई और एक डिब्बा पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना के दौरान स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। सुरक्षा के मद्देनजर प्लेटफॉर्म को तुरंत खाली कराया गया। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 8 से 10 दमकल वाहनों की मदद से लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक प्रभावित कोच पूरी तरह नष्ट हो चुका था। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग को अन्य डिब्बों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और जांच शुरू कर दी है। समस्तीपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

रेलवे प्रशासन का कहना है कि पूरी जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने की असली वजह स्पष्ट होगी। फिलहाल स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और यात्रियों की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है।

उर्दू शायर बशीर बद्र का 91 वर्ष की उम्र में निधन

डिमेंशिया से याददाश्त कमजोर होती थी

उनकी शायरी ने दिलों को छुआ

यूनिक समय, नई दिल्ली। उर्दू शायर बशीर बद्र का 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से डिमेंशिया से जूझ रहे थे और उनकी याददाश्त कमजोर हो चुकी थी। मगर उनकी शायरी और ग़ज़लों ने उर्दू साहित्य में अमिट पहचान बनाई। उनके प्रसिद्ध शेर आज भी लोगों के दिलों में गूंजते हैं। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। शुरुआत में उन्होंने पुलिस सेवा में भी काम किया था। मेरठ दंगों के दौरान

उनका घर जल गया था। इस घटना के बाद वे भोपाल में रहने लगे थे। उनकी शायरी में दर्द और मोहब्बत की गहराई झलकती है। उन्होंने उर्दू गजल को आम लोगों की भाषा बना दिया। उनका साहित्यिक योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी शायरी में जीवन की सच्चाई और समाज का चित्रण मिलता है। वे मुशायरों में अपनी उपस्थिति से महफिल को जीवंत कर देते थे। उर्दू साहित्य ने एक महान शायर को खो दिया है जो सदैव याद रहेंगे ।

बंगाल में गाय कुर्बानी नियम से विवाद बढ़ा

पशु व्यापारियों की आजीविका पर संकट

सरकार के फैसले पर राजनीतिक घमासान

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में गाय की कुर्बानी पर लगाए गए नए नियम को लेकर विवाद बढ़ गया है। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार बिना फिटनेस सर्टिफिकेट किसी भी गाय या भैंस की कुर्बानी नहीं दी जा सकती। इस फैसले से पशु व्यापार से जुड़े लोगों में नाराजगी है।

पूर्व मेदिनीपुर और आसपास के क्षेत्रों में पशु पालने वाले किसानों का कहना है कि उन्होंने बैंक से कर्ज लेकर जानवर खरीदे थे, ताकि ईद-उल-

अजहा पर बिक्री कर सकें, लेकिन अचानक नियम बदलने से उनका नुकसान हो गया है। व्यापारियों का दावा है कि इस फैसले से हजारों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हुई है।

कई लोगों ने कहा कि बाजार में पशुओं की बिक्री रुकने से आर्थिक संकट गहरा गया है और कर्ज चुकाना मुश्किल हो गया है। दूसरी ओर राजनीतिक दलों के बीच भी इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं और मामला गरमा गया है।

त्विषा शर्मा केस: पूर्व जज गिरिबाला सिंह हिरासत में

सीबीआई ने पूछताछ के बाद लिया हिरासत में, हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत रद्द की

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोपाल में त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह को उनके घर से हिरासत में ले लिया। यह कदम मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा उनकी अग्रिम जमानत रद्द किए जाने के बाद उठाया गया। सीबीआई की टीम सुबह भारी पुलिस बल के साथ उनके निवास पर पहुंची और पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में लिया। 12 मई को हुई घटना के बाद से मामला लगातार जांच के दायरे में है। हाईकोर्ट ने जमानत रद्द करते हुए गंभीर टिप्पणी की थी, जिसके बाद जांच एजेंसी ने कार्रवाई तेज कर दी है।

दिल्ली में भीषण गर्मी से जल संकट गहराया

वजीराबाद प्लांट क्षमता घटकर सत्तर प्रतिशत

कई इलाकों में पानी भारी कमी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में भीषण गर्मी के कारण जल संकट गहरा गया है। तापमान 44 से 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और लू चलने से हालात बिगड़ गए हैं। यमुना नदी में पानी घटने से वजीराबाद और चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगभग 70 प्रतिशत क्षमता पर चल रहे हैं। वजीराबाद पॉन्ड का जलस्तर

गिरकर 668 फीट तक पहुंच गया है, जबकि सामान्य स्तर 674 फीट माना जाता है। दिल्ली में पानी की सप्लाई करीब 20 प्रतिशत तक कम हो गई है, जिससे कई इलाकों में हाहाकार मचा है। टैंकरों की कमी के कारण लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। समस्या से निपटने के लिए 300 मीटर दूर से नहर बनाकर पानी प्लांट तक पहुंचाया जा रहा है। मुनक नहर से अतिरिक्त पानी मोड़कर आपूर्ति संतुलित करने की कोशिश की जा रही है। सोनिया विहार और भागीरथी प्लांट सामान्य रूप से चल रहे हैं।

सीबीएसई ओएसएम गड़बड़ी पर मंत्री ने ली जिम्मेदारी

छात्रों की शिकायतें तुरंत निपटाने का आश्वासन

आईआईटी संस्थानों से जांच में मदद

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रक्रिया में आई गड़बड़ियों की जिम्मेदारी लेते हुए छात्रों को भरोसा दिलाया कि सभी शिकायतों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी व्यक्ति की जानबूझकर गलती पाई जाती है तो सख्त कार्रवाई होगी। सीबीएसई की मूल्यांकन प्रक्रिया में तकनीकी और भुगतान संबंधी समस्याओं की समीक्षा की गई है। इस साल करीब 17 लाख छात्रों की लगभग 98 लाख उत्तर पुस्तिकाएं डिजिटल तरीके से जांची गईं, जिससे पहली बार बड़े पैमाने पर ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन लागू हुआ। सरकार ने तकनीकी खामियों की जांच के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों को शामिल किया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि छात्रों का मानसिक तनाव कम करना प्राथमिकता है और किसी भी शिकायत को अनसुना नहीं किया जाएगा। सीबीएसई ने भी स्पष्ट किया कि वायरल लिंक केवल परीक्षण पोर्टल था और वास्तविक प्रणाली सुरक्षित है। मामले की लगातार निगरानी की जा रही है।

ट्रंप विवाद में नया मोड़, जांच शुरू हुई, कैरोल पर झूठी गवाही का आरोप

पुराने यौन शोषण मामले में हलचल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े पुराने यौन शोषण मामले ने एक बार फिर नया मोड़ ले लिया है। ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाने वाली पूर्व कॉलम लेखिका ई. जीन कैरोल अब खुद जांच के दायरे में आ गई हैं।

अमेरिकी न्याय विभाग ने उनके खिलाफ यह जांच शुरू की है कि क्या उन्होंने अदालत में दिए गए बयानों में झूठी गवाही दी थी।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2022 में सुनवाई के दौरान कैरोल ने शपथ लेकर कहा था कि उनके मुकदमे की कानूनी लड़ाई में उन्हें किसी बाहरी व्यक्ति से आर्थिक सहायता नहीं मिली। हालांकि बाद में सामने आया कि एक अरबपति व्यवसायी ने उनके कानूनी खर्चों का बड़ा हिस्सा वहन किया था। इसी तथ्य को जांच का आधार माना जा रहा है।

इस मामले की जांच एक संघीय अभियोजक के नेतृत्व में की जा रही है, जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने ही नियुक्त किया था। वहीं अमेरिकी न्याय विभाग के कुछ वरिष्ठ अधिकारी इस जांच से खुद को अलग कर चुके हैं।

यह मामला पहले से ही काफी चर्चित रहा है, जिसमें कैरोल ने ट्रंप पर 1996 में यौन शोषण का आरोप लगाया था। अदालत ने ट्रंप को दीवानी रूप से जिम्मेदार मानते हुए कैरोल को करोड़ों डॉलर का हर्जाना देने का आदेश दिया था, जिसे ट्रंप ने चुनौती दी है। अब नई जांच से यह विवाद फिर सुर्खियों में आ गया है।

वृंदावन को जाम मुक्त बनाने की मुहिम

सड़क पर स्लोगन लिखकर लोगों को किया जागरूक

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन सिविल सोसाइटी के बैनर तले वृंदावन को जाम मुक्त बनाने की मुहिम के अंतर्गत सड़कों पर जागरूकता स्लोगन लिखने का अभियान शुरू किया गया।

अभियान के तहत नगर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर जाम मुक्त हो वृंदावन धाम जैसे संदेश लिखकर लोगों को यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए जागरूक किया गया। अभियान में शामिल सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने कहा कि वृंदावन में लगातार बढ़ते ट्रैफिक और ई–रिक्शाओं के अव्यवस्थित संचालन के कारण श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने प्रशासन से प्रभावी यातायात व्यवस्था लागू करने और वृंदावन को जाम मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

चुंगी चौराहा पर वृंदावन को जाम से मुक्त बनाने की पहल के लिए जागरूकता अभियान में शामिल लोग।

इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर चलो भाइयों जाम हटाओ, वृंदावन को सुंदर बनाओ जैसे नारों के माध्यम से जनजागरण किया। जितेंद्र सिंह राणा ने कहा कि वृंदावन केवल एक नगर नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना प्रशासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। पवन ठाकुर ने कहा कि लगातार बढ़ते जाम के कारण स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं

चुंगी चौराहा पर एकत्रित हुए लोग, जाम पर जताई चिंता

को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। धनेंद्र अग्रवाल बॉबी ने कहा कि जाम और अव्यवस्थित यातायात वृंदावन की गरिमा को प्रभावित कर रहे हैं। इस अवसर पर सुरेश चंद्र शर्मा, राघव भारद्वाज, विवेक गौतम, रूप किशोर शर्मा, अमित शर्मा, कृष्णा शर्मा, ठाकुर कालीचरण सिंह,मुरारी लाल शर्मा ,अतुल श्रीवास्तव, सोहन सिंह सिसोदिया, नीलमणि अरोड़ा,राकेश खेतान ,सुरेश चंद्र शर्मा, बंसी तिवारी, रविकांत गौतम, उदयन शर्मा, सुंदर सिंह, नरेंद्र शर्मा और राकेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

उठावनी

स्व. श्रीमती कुसुम अग्रवाल

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम अग्रवाल का स्वर्गवास दिनांक 27.05.2026 को हो गया है। उठावनी (आज) दिनांक 29.05.2026 दिन शुक्रवार को महिलाओं/पुरूषों की खण्डेलवाल सेवा सदन, गोवर्धन रोड, मथुरा पर सायं 4 से 5 बजे तक होगी।

–: शोकाकुल :–

राजकुमार अग्रवाल 'बिसावर वाले' (पति)
रवि–अलका अग्रवाल, चेतन्य–निधि अग्रवाल (पुत्र–पुत्रवधू)
बसंती देवी, निर्मला देवी (जेठानी) मंजू अग्रवाल, अनिल–अंजू (देवर–देवरानी)
प्रीति अग्रवाल (पुत्री) अभिज्ञ, आराध्या (पौत्र–पौत्री)
यश–पलक अग्रवाल (पौत्र–पौत्रवधू) सौम्या, अनीश (धेवता–धेवती)
अशोक, मनोज, बबलू, रोहित, अंशुल, केशव एवं समस्त बिसावर परिवार

प्रतिष्ठानः– अभिज्ञ आभूषण भण्डार, मंडी रामदास, मथुरा
Mob. 8265976380,7817998688

मायका पक्षः कृष्ण कुमार जैन (भाई), मुकेश जैन, आकाश, नीरज, सम्वेद (भतीजे) एवं समस्त बागपतिया परिवार, नदबई (राजस्थान)

उठावनी

स्व. श्री विष्णु भगवान गुप्ता

हमारे पूज्य पिताजी श्री विष्णु भगवान गुप्ता पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश गुप्ता का स्वर्गवास दिनांक 25.5.2026 दिन मंगलवार को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 29.5.2026 दिन शुक्रवार को महिला/ पुरूषों की जमुनाधाम पार्क, मथुरा पर सायं 4 से 5 बजे तक होगी।

शोकाकुल

शिखर–पूनम (पुत्र–पुत्रवधु), श्रीमती कान्ता गुप्ता (पत्नी), शोभिनी–आशीष (पुत्री–दामाद), श्री भगवान गुप्ता, कृष्ण भगवान गुप्ता (ज्येष्ठ भ्राता), अशोक कुमार (लघु भ्राता), पंकज, नीरज, मनोज, हिमांशु (भतीजे), श्री श्रीकुमार गुप्ता, रजनी–सुरेश (बहन–बहनोई), अधर्व गुप्ता (पौत्र), अध्या गुप्ता (पौत्री), आयुष, श्रेयांश गुप्ता (धेवते) एवं समस्त पचाधरी परिवार।

ससुराल पक्षः- महेश चन्द गुप्ता, रविन्द्र कुमार गुप्ता, अजय कुमार गुप्ता, आलोक कुमार गुप्ता एवं श्री राम बैंगिल परिवार फिरोजाबाद

भागवत कथा के समापन पर 52 गांव का भंडारा

भंडारे पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

यूनिक समय, छाता। गंगा मंदिर के महंत लाडली दास काठिया बाबा के सानिध्य में गंगा मंदिर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर भंडारा कराया गया। छाता के तरौली रोड पर बड़े मैदान में आयोजित भंडारे में 52 गांव के श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के कारण सभी व्यापारियों ने स्वेच्छा से बाजार बंद रखा। भंडारे में ठंडा पानी की व्यवस्था टैंकरों से की गई। पुलिस प्रशासन और आयोजकों ने पुख्ता इंतजाम किए। महावीर सिंह यदुवंशी ने बताया कि जन सहयोग से आयोजित भंडारे में समाज में भाईचारा बढ़ता है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, राधे राधे बाबू महाराज, भूरी पहलवान ,पूर्व अध्यक्ष जगपाल चौधरी, चेयरमैन प्रतिनिधि फाल्गुन उर्फ कान्हा, सुरेंद्र कुमार एडवोकेट, दिगंबर चौधरी,गजेंद्र,महेश पंडित, पूरन सिंह, रामबाबू ,लाला सेठ ,तनवीर आलम, सुलेमान पहलवान ,श्याम प्रताप सिंह, राधे लाल यदुवंशी, चंद्रपाल सिंह यदुवंशी ,दिगंबर चौधरी महिपाल, देशराज सिंह एड ,पुरुषोत्तम चौधरी, केशव देव ,प्रमोद राणा, गौरव अवरिल शास्त्री एवं अमित वार्ष्णेय आदि उपस्थित थे। संचालन धर्मेंद्र आर्य और सतीश कुमार ने किया।

कोसीकलां और आगरा स्टेशन पर शुरु की गई जल सेवा

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आगरा अंकित गुप्ता के निर्देशन में कोसीकलां रेलवे स्टेशन पर जिंदल ग्रुप के सहयोग से रेल कर्मचारी ,स्काउट एवं गाइड ने निःशुल्क जल सेवा की शुरुआत की।

गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा के अंतर्गत कोसीकलां स्टेशन से गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों के यात्रियों को शीतल- स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि आगरा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर मीना समाज सेवा जल समिति की पहल पर यात्रियों के लिए निःशुल्क शीतल आरओ जल सेवा का शुभारंभ किया। मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल

कोसीकलां रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पानी पिलाते समाजसेवी।

परिचालन प्रबंधक समन्वय कुलदीप मीना, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता के निर्देशन में आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर मीना समाज सेवा जल समिति ने आगरा कैंट स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 01 के झांसी एंड पर निःशुल्क शीतल जल सेवा (प्याऊ) का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर समिति के सदस्य मुकेश कुमार मीना, मोहन मीना, पुरुषोत्तम, पीएल,भागचंद, श्रीराम, बुद्धिप्रकाश, सतपाल राहुल, रोहितास, योगेश, धीरज, हनुमान,चरण सिंह, ओम प्रकाश,समय सिंह, पिंटू और जगमोहन आदि उपस्थित थे।

कोसीकलां पुलिस ने ठग पकड़ा जेवर और नकदी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां पुलिस ने लोगों से ठगी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से जेवर और नकदी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, आज सुबह चेकिंग के दौरान कोसी–नंदगांव रोड पर सुरवारी गांव के बाहर से विवेक पुत्र गुलाबचंद निवासी गांव दलौता, थाना शेरगढ़ को गिरफ्तार किया गया।तलाशी लेने पर आरोपी के तीन बैगों से पीली धातु की चार चूड़ियां, एक चैन, एक अंगूठी और सफेद धातु की तीन जोड़ी पायल बरामद हुईं। इसके अलावा उसकी जेब से 9,400 रुपये नकद भी मिले। गिरफ्तारी करने वालों में प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह, चौकी प्रभारी कोकिलावन उपनिरीक्षक कुंजन चौधरी शामिल थे।

श्रद्धालु भिड़ गए ट्रेफिक पुलिस के जवानों से

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के तेवर आसमान पर पहुंच गए। वह छोटी सी बातों पर हर किसी से उलझ जाते हैं। पिछले कई मामले अभी ठंडे नहीं हुए कि आज फिर एक मामला गरमा गया। वायरल वीडियो में श्रद्धालु ट्रेफिक पुलिस के जवानों से तकरार करते नजर आ रहे हैं। बात अधिक बढ़ गई तो श्रद्धालुओं की हिम्मत और बढ़ गई। वायरल वीडियो देखने से पता चल रहा है कि श्रद्धालु ट्रेफिक पुलिस के सिपाहियों पर हावी हो गए और उनके साथ खींचतान शुरु कर दी। एक जवान की टोपी को उड़ा दिया। वह जवान देखता रह गया। एक युवती तो घटना को रिकार्ड कर रहे सिपाही से

ट्रेफिक पुलिस के जवानों से हाथापाई करते श्रद्धालु।

वायरल वीडियो बनाअब चर्चा का विषय

मोबाइल को झटका देती नजर आई। हालांकि यूनिक समय इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

धोखाधड़ी में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थाना गोवर्धन पुलिस टीम ने गुरुवार को करीब 1:10 बजे वांछित अभियुक्त गोपाल पुत्र रमेश निवासी नगला छत्ती, गढ़ाया लतीफपुर, थाना फरह को उसके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त थाना गोवर्धन में पंजीकृत धोखाधड़ी के मुकदमे में वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर,उपनिरीक्षक रजत दुबे द्वारा की गई।

एनसीसी कैडेट्स को सिखाए हथियारों के गुर

यूनिक समय, छाता। 11 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कैडेटों के सर्वांगीण विकास और देश सेवा के योग्य बनाने के लिए कई व्यावहारिक सत्र हुए।

शिविर में देश की रक्षा के साथ–साथ आपदा के समय समाज की मदद करने और विपरीत परिस्थितियों में मानसिक संतुलन बनाए रखने का कड़ा प्रशिक्षण दिया गया।शिविर के दौरान सैन्य प्रशिक्षण के मुख्य हिस्से के रूप में आधुनिक हथियारों के प्रदर्शन और संचालन का सत्र आयोजित किया गया। अनुभवी सैन्य प्रशिक्षकों द्वारा कैडेटों को हथियारों को खोलने, जोड़ने, निशाना लगाने और उनकी तकनीकी बारीकियों के बारे में समझाया गया। कैडेटों ने पूरे अनुशासन और जोश के साथ हथियारों के संचालन का व्यावहारिक अभ्यास किया।

प्रशिक्षण लेते एनसीसी कैडेट्स।

कैप्टन अतुल शर्मा ने बताया कि एनसीसी का उद्देश्य केवल सैन्य

आपदा प्रबंधन और मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया

प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि देश को अनुशासित और हर परिस्थिति से निपटने में सक्षम नागरिक देना है। हथियार चलाने के हुनर के साथ–साथ आपदा प्रबंधन और मनोवैज्ञानिक प्राथमिक उपचार का यह ज्ञान कैडेटों को समाज के लिए संकटमोचक बनाएगा। इस अवसर पर बटालियन के सैन्य अधिकारी, सूबेदार मेजर आदि उपस्थित थे।